RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 215 , गुरुवार, 17 सितंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

एल.एन.डी. कॉलेज में तीन दिवसीय आणविक जीव विज्ञान कार्यशाला का सफल समापन 03

दोहरे हत्याकांड में पीड़ित परिवारों से मिले जदयू एमएलसी डॉ. खालिद अनवर, न्याय का... 04

मित्रता: फ्रेंडशिप नी लव स्टोरी को लेकर उत्साहित हैं मानसी पारेख 07

पीएफ के लिए बेसिक सेलरी लिमिट बढ़कर 25 हजार हुई

12 साल बाद बदलाव; इससे कर्मचारियों की सेविंग्स और पेंशन का दायरा बढ़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को ईपीएफ और ईपीएस के लिए अनिवार्य बेसिक सैलरी लिमिट बढ़ाकर 25,000 प्रति महीना कर दी है। अब कंपनियों को 25 हजार रुपए तक की बेसिक सैलरी वाले कर्मचारियों को पीएफ के दायरे में शामिल करना ही होगा। पहले यह लिमिट 15,000 प्रति महीना थी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कैबिनेट बैठक के बाद बताया कि इससे 51 लाख कर्मचारियों को पीएफ बचत और पेंशन का सीधा फायदा मिलेगा। पहले 15 हजार रुपए से ज्यादा बेसिक सेलरी वाले कर्मचारियों का

पीएफ कटना या न कटना उनकी मर्जी पर डिपेंड करता था। नए आदेश से 25 हजार रुपए की लिमिट होने के बाद पीएफ कटने से कर्मचारी की सेविंग बढ़ेगी और रिटायरमेंट पर बड़ा फंड मिलेगा। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि ईपीएफ की वेतन सीमा लंबे समय तक नहीं बदली थी। साल 2004 से 2014 के बीच इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ था। इसके बाद सितंबर 2014 में इसे बढ़ाकर 15,000 रुपये प्रति माह किया गया था। अब करीब 12 साल बाद सरकार ने इसे बढ़ाकर 25,000 रुपये करने का फैसला लिया है। सरकार का कहना है कि यह बदलाव पिछले वर्षों में बढ़ी मजदूरी, आय में वृद्धि और औपचारिक रोजगार के विस्तार को ध्यान में रखते हुए किया गया है। मौजूदा व्यवस्था में 15,000 रुपये से ज्यादा मासिक वेतन पर नौकरी शुरू करने वाला कर्मचारी अपने आप अनिवार्य ईपीएफ कवरेज के दायरे में नहीं आता था। अब नई सीमा लागू होने के बाद 15,000 रुपये से 25,000 रुपये प्रति माह वेतन पाने वाले कर्मचारियों का बड़ा हिस्सा अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था में आ सकेगा। इससे कर्मचारियों को लागू नियमों के अनुसार कई सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलेंगे।

यूपी में पंचायत सहायकों को मिलेंगे 9 हजार रुपए महीना

वापस होंगे सभी मुकदमे, हटाए गए सहायक भी होंगे बहाल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पंचायत सहायकों के लिए बड़ी खबर है। पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा है कि प्रदेश में आंदोलन के दौरान जिन पंचायत सहायकों के खिलाफ

मुकदमे दर्ज किए गए थे, वो सभी वापस लिए जाएंगे। बुधवार को पत्रकारों के साथ बातचीत में राजभर ने कहा कि आंदोलन के दौरान हटाए गए पंचायत सहायकों की बहाली भी की जाएगी। साथ ही पंचायत सहायकों को हर महीने 9 हजार रुपए दिए जाएंगे। ओमप्रकाश राजभर ने कहा, हमारे पंचायत सहायक 24 तारीख से धरने पर बैठे थे और सोमवार को मैं लखनऊ आया तो कुछ साथियों से बातचीत हुई,और निर्णय हुआ।

संक्षिप्त समाचार

बिहार पंचायत चुनाव में ईबीसी आरक्षण की तैयारी

कहार-कुम्हार-धानुक-लोहार-तेली समेत 122 जातियों को फायदा

पटना (एजेंसी)। बिहार में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) के लिए आरक्षण का मानक जल्द तय होगा। पंचायती राज विभाग की विशेषज्ञ टीम की ओर से तैयार मानक संबंधी गाइडलाइन एक माह अंदर अत्यंत पिछड़ा वर्ग आयोग को चला जायेगा। इसी पर आयोग पंचायत चुनाव में ईबीसी को आरक्षण का प्रतिशत तय करने की अनुशंसा करेगा। आरक्षण के लिए त्रिस्तरीय जांच अनिवार्य है। पंचायत चुनाव में एससी-एसटी और ईबीसी (एनेक्सर-1) के लिए अधिकतम 50

फीसदी ही आरक्षण देना है। पिछले दिनों अत्यंत पिछड़ा वर्ग आयोग ने पंचायती राज विभाग को पत्र लिख कर गाइडलाइन मांगी थी। इसी पत्र के आधार पर ड्राफ्ट तैयार किया गया है। यानी पंचायत चुनाव में ईबीसी आरक्षण का मानक जल्द तय होगा।

एससी-एसटी से बचे हिस्से में ही ओबीसी को आरक्षण- जनगणना के आधार पर कुल आबादी में जितनी आबादी एससी और एसटी की होगी, इन वर्ग को उतना प्रतिशत आरक्षण देना है। इसके बाद ही ईबीसी को आरक्षण दिया जा सकेगा। पिछले पंचायत चुनाव में पिछड़ा वर्ग को 20 फीसदी आरक्षण मिला था। बाकी 30 फीसदी एससी-एसटी को मिला था।

मुसलमानों में शादी एक कॉन्ट्रैक्ट है, जन्म-जन्म का साथ नहीं

- असदुद्दीन ओवैसी के पांच पंच से गोलबंद होंगे एमपी के मुसलमान!

भोपाल (एजेंसी)। यूसीसी के खिलाफ एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने भोपाल आकर माहौल बना दिया है। उन्हें सुनने के लिए बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग पहुंचे थे। ओवैसी ने कहा कि यूसीसी का कानून सिर्फ मुस्लिमों को टारगेट करने के लिए बनाया गया है। हिंदू मैरिज एक्ट को गैर हिंदुओं पर थोपा जा रहा है। ओवैसी ने अपनी रैली में कई ऐसी बातें कही हैं, 2028 के लिए बड़ा मैसेज है। उन्होंने पूछा कि हम

बीजेपी से पूछना चाहता हैं कि यूसीसी से आदिवासियों को अलग क्यों किया। उनका जवाब होगा कि उनके तौर-तरीके अलग हैं। मैं पूछना चाहता कि क्या मुसलमानों का मजहब अलग नहीं है। जमीरफरोश लोगों ने जालिमों के सामने घुटने टेक दिए हैं। भारत की संविधान में फीडम ऑफ रिलीजन है। एमपी की यूसीसी तमाम फंडामेंटल राइट्स के खिलाफ है। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि हिंदू समाज में शादी जन्म-जन्म का साथ होता है। मुसलमानों में ऐसा नहीं होता है, मुस्लिमों में शादी एक कॉन्ट्रैक्ट होता है। एक कॉन्ट्रैक्ट पर साइन कर निकाह किया जाता है। मुसलमानों में जन्म-जन्म का साथ नहीं होता है।

पीएम का 76वां जन्मदिन आज, देशभर में कार्यक्रम

- उज्जैन में 25 लाख दीप जलेंगे, फरीदाबाद में दिव्यांगों को स्कूटी
- गुजरात से वाराणसी तक निकलेगी बाइक यात्रा, तैयारी हो गई पूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी का 76वां जन्मदिन कल 17 सितंबर को है। इस मौके पर भाजपा देशभर में कार्यक्रम आयोजित करेगी। इसे मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर सार्वजनिक जीवन के 25

साल पूरे होने से भी जोड़ा गया है। इसके तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। जन्मदिन पर देश के अलग-अलग हिस्सों में सेवा और जनभागीदारी से जुड़े कार्यक्रम होंगे। भाजपा ने लोगों से घरों में 'आशीर्वाद का दिया' जलाने की अपील की है। गुजरात स्थित पीएम के जन्मस्थल वडनगर और वाराणसी से बाइक यात्रा शुरू होगी। फरीदाबाद में भाजपा सांसद दिव्यांगों को इलेक्ट्रिक स्कूटी बांटेंगे। उज्जैन में 25 लाख से ज्यादा दीप जलाने की तैयारी है।

शरीयत के खिलाफ कोई भी कानून स्वीकार नहीं

यूसीसी पर अमित शाह के बयान पर भड़के अरशद मदनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के उस कथित बयान पर घमासान छिड़ गया है, जिसमें उन्होंने यह ऐलान किया है कि 2029 से पहले एनडीए शासित सभी 21 राज्यों में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कर दिया जाएगा। अब इस पर जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने सवाल उठाए हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट जारी कर उन्होंने कहा कि देश संविधान से चलेगा या किसी राजनीतिक दल के वैचारिक एजेंडे से उन्होंने यूसीसी को धार्मिक स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों में हस्तक्षेप करने वाला कदम बताया।

उत्तराखंड हाईकोर्ट पहुंची जमीयत- अरशद मदनी ने कहा कि जमीयत उलमा-ए-हिंद देश के धर्मनिरपेक्ष संविधान, लोकतंत्र और कानून के शासन को कायम रखना चाहती है। इसी उद्देश्य से संगठन ने समान नागरिक संहिता के खिलाफ उत्तराखंड हाईकोर्ट का रुख किया है।

पीएम के साथ पढ़े असगर अली को वापस मिली जमीन

- महाराष्ट्र के बीजेपी विधायक नरेंद्र मेहता ने छोड़ा कब्जा
- आठ दिन पहले पीएम मोदी से मिलकर शिकायत की थी

भायंदर (एजेंसी)। महाराष्ट्र में ठाणे के मीरा रोड में रहने वाले 81 साल के असगर अली वोहरा को जमीन विवाद में राहत मिली है। पीएम मोदी से मुलाकात के 8 दिन बाद भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने उनसे जुड़ी विवादित जमीन का कब्जा छोड़ने और कंस्ट्रक्शन परमिट सरेंडर करने की बात कही है। वोहरा ने 8 सितंबर को पीएम मोदी से मुलाकात कर जमीन विवाद में दखल देने और सीबीआई जांच की मांग की थी। दोनों की मुलाकात की तस्वीरें भी सामने आई थीं। वोहरा का दावा है कि उन्होंने गुजरात के वडनगर स्थित बीएन स्कूल में पीएम मोदी के साथ एक ही क्लास में पढ़ाई की थी।

15 साल से सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रहे थे वोहरा- वोहरा के मुताबिक, जमीन को लेकर वह करीब 15 साल से अलग-अलग सरकारी विभागों के सामने मामला उठा रहे थे। उनका आरोप है कि उनकी जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए और उसे दो कंपनियों के बीच बांट दिया गया। इन कंपनियों के नाम स्वयम बिल्डर्स और सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शंस हैं। वोहरा ने दोनों कंपनियों को नरेंद्र मेहता से जुड़ा बताया था। इस मामले में 2015 में एफआईआर भी दर्ज हुई थी। वोहरा के मुताबिक, पीएम से मुलाकात के बाद मामले में गतिविधियां शुरू हुईं। मीरा-भायंदर नगर निगम ने दोनों कंपनियों के मैनेजमेंट को 16 सितंबर को अपना पक्ष रखने और मामले में स्पष्टीकरण देने के लिए बुलाया था। इससे पहले ही मंगलवार को मुख्यमंत्री के प्रिंसिपल सेक्रेटरी श्रीकर परदेशी ने मंत्रालय में बैठक बुलाई। इसमें वोहरा, नरेंद्र मेहता, मीरा-भायंदर नगर निगम आयुक्त राधा बिनोद शर्मा और टाउन प्लानर पुरुषोत्तम शिंदे मौजूद रहे। कंपनी ने निगम से कंस्ट्रक्शन परमिट रद्द करने की मांग की बैठक के बाद सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड ने मामले से पूरी तरह पीछे हटने की बात कही है।

दिशा बदलने के दौरान

अरब सागर में बड़ा हादसा

- भारतीय युद्धपोत से टकरा गया पाकिस्तानी नौसेना का जहाज
- दिल्ली में पाक हाई कमिश्नर तलब, दर्ज कराया सख्त विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी नौसेना का एक जहाज अरब सागर के अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में भारतीय नौसेना के जहाज से टकरा गया। घटना कब की है, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। इससे पहले 2011 में भी दोनों देशों के जहाजों में टक्कर हुई थी। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारतीय युद्धपोत नियमित निगरानी मिशन पर था। इसी दौरान पाकिस्तानी जहाज तेज रफ्तार में आया और गलत दिशा में मुड़ गया, जिससे दोनों जहाज टकरा गए। सूत्रों के हवाले से बताया कि पाकिस्तानी जहाज का नाम पीएनएस हुनैन है। इसे समुद्री निगरानी और गश्त के लिए इस्तेमाल किया जाता है। टक्कर में इसको नुकसान पहुंचा है। हालांकि, भारतीय नौसेना के जिस जहाज से इसकी टक्कर हुई, पता नहीं चल पाया है। घटना के बाद भारत ने नई दिल्ली में पाकिस्तान हाई कमीशन के चार्ज डी अफेयर्स को तलब किया और कड़ा विरोध दर्ज कराया। भारत ने घटना को अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर बताया।

दिशा बदलने के दौरान दोनों की टक्कर हुई-सूत्रों के मुताबिक, भारतीय नौसेना का एक युद्धपोत उत्तर अरब सागर में नियमित निगरानी मिशन पर था। इसी दौरान पाकिस्तानी नौसेना का एक जहाज तेज रफ्तार से भारतीय जहाज के करीब आ गया। पाकिस्तानी जहाज ने जिस तरह अपनी दिशा बदली, उसे असुरक्षित और गैर-पेशेवर बताया गया है।

2011 में टकराए थे भारतीय-पाकिस्तानी जहाज

भारत और पाकिस्तान की नौसेनाओं के बीच समुद्र में इस तरह की घटना पहले भी हो चुकी है। 2011 में भारतीय नौसेना के आईएनएस दोगावरी और पाकिस्तानी नौसेना के पीएनएस बाबर के बीच भी टक्कर हुई थी। टक्कर को लेकर पाकिस्तान ने आरोप लगाया था कि भारतीय जहाज ने उसके काम में रुकावट डाली और खतरनाक तरीके से जहाज चलाया। भारत ने इस आरोप को गलत बताया। भारत के मुताबिक, पीएनएस बाबर ने आईएनएस गोदावरी को दाईं तरफ से पार करने की कोशिश की और इसी दौरान उसके हेलीकॉप्टर डेक वाले हिस्से से टकरा गया। इस दौरान हेलीकॉप्टर का जाल क्षतिग्रस्त हुआ था।

अब फ्रंटफुट पर खेलेगी कांग्रेस, राहुल गांधी की एंट्री से पहले खेला

पंजाब में सचिन पायलट ने तैयार कर दी फेवरेबल पिच

चंडीगढ़ (एजेंसी)। केंद्र में मोदी सरकार होने के बाद भी कांग्रेस ने 2017 के विधानसभा चुनावों में पंजाब में अपनी सरकार बनाई थी। राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस एक बार फिर से 2027 इसी को दोहराना चाहती है। राहुल गांधी ने इसके लिए अपने भरोसेमंद सहयोगी सचिन पायलट को पंजाब के मोर्चे पर लगाया था। सचिन पायलट ने पहले पंजाब दौरे में ही चरणजीत सिंह चन्नी और राजा अमरिंदर सिंह वडिंग को एकमंच पर लाकर संकेत दे दिए हैं कि उन्हें कम आंकने की भूल करना भारी पड़ सकता है। पंजाब में अगले साल की शुरुआत में चुनाव होने हैं। रजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अगर पंजाब में कांग्रेस गुटबाजी छोड़कर मैदान में उतरती है तो उसके लिए

उज्जवल संभावन बन सकती है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पंजाब में बस यात्रा पर निकलना चाहते हैं। पहले इसके शुरू होने की तारीफ 15 सितंबर बताई गई थी। अब कहा जा रहा है कि यात्रा 19 सितंबर से शुरू हो सकती है। सचिन पायलट ने पंजाब से वह तस्वीर दिल्ली भेजी है। जिसका इंतजार समूचे कांग्रेस नेतृत्व को था। चंडीगढ़ में आप सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में एक तरफ जहां पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी बैठे हैं तो दूसरी तरफ पर अमरिंदर राजा सिंह वडिंग मौजूद हैं।

चन्नी ने भरी हुंकार वडिंग भी खुश

चंडीगढ़ में आप सरकार के खिलाफ प्रदर्शन में पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि सचिन पायलट साहब आप पंजाब की एक नई उम्मीद लेकर आए हो। हम सभी आपका स्वागत करते हैं। सचिन पायलट जी जहां तक निगाहें जाती है वहां तक कांग्रेसी खड़े हैं आज। सचिन जी मैं आपको धन्यवाद देता हूं लड़ेंगे इकट्ठा होकर। तो वहीं दूसरी तरफ वडिंग भी गर्जना की और चन्नी से भी बतियाए। सचिन पायलट ने पंजाब में राहुल गांधी की एंट्री से पहले फेवरेबल पिच तैयार कर दी है। अब कांग्रेस के आक्रामक ढंग से आगे बढ़ने की उम्मीद की जा रही है। राहुल गांधी आप सरकार के खिलाफ फ्रंटफुट पर दिख सकते हैं। सचिन पायलट ने ऐसा दांव खेला कि कोई नेता प्रदर्शन में नहीं आने की जुर्रत नहीं कर सकता। उन्होंने पहले विजिट में ही आप सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन फैसला किया। इसमें गुलजार सिंह की संदिग्ध मौत (सुसाइड) के मामले में न्याय की मांग करने का निर्णय किया।

एक साथ दिखी पंजाब कांग्रेस

प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने बैरिकेडिंग कर मार्च को रोका और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। सचिन पायलट और अन्य नेताओं को कुछ समय के लिए हिरासत में भी लिया गया था, लेकिन इस पूरे आयोजन ने राहुल गांधी की एंट्री की पिच तैयार कर दी। अब देखना है कि राहुल गांधी पंजाब में किस अंदाज में बैटिंग करते हैं। चंडीगढ़ में बड़े विरोध प्रदर्शन में पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी, राजा वडिंग, सुखविंदर सिंह रंधावा, प्रताप सिंह बाजवा, विजय सिंगला सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता मंच पर मौजूद रहे। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि पंजाब से आई अच्छी तस्वीरों के बाद अब राहुल गांधी का कार्यक्रम होगा।

दुर्गा पूजा में भगवा यूनिफॉर्म में नजर आएंगे सुरक्षाकर्मी

- कोलकाता पुलिस ने निकाला 89 लाख का टेंडर

ऐसी होगी भगवा रंग की यूनिफॉर्म

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में इस दुर्गा पूजा के दौरान कोलकाता पुलिस के ग्राउंड लेवल स्टाफ का लुक बिल्कुल बदलने वाला है। दशकों से चले आ रहे सफेद और नीले रंग के लुक को छोड़कर, पुलिस बल कुछ अलग में नजर आएगी। इस साल की दुर्गा पूजा के लिए भीड़ को संभालने वाले 20,000 गैर-पुलिसकर्मियों के लिए भगवा रंग की वर्दी होगी। इसके लिए सरकार ने 89 लाख रुपये का टेंडर जारी किया है। लालबाजार ने अस्थायी वॉलंटियर्स के लिए 89 लाख रुपये का टेंडर जारी किया है। ये वॉलंटियर दशमी तक रहेंगे। लालबाजार के अधिकारी ने बताया कि दो तरह के केसरिया रंग के कपड़े बनाए जा रहे हैं। कॉलर और पूरी बाजू वाले इन कपड़ों का रंग गहरा केसरिया और हल्का केसरिया होगा। पुलिस ने 12,000 गहरे केसरिया और 8,000 हल्के केसरिया रंग के कपड़े डिजाइन किए हैं। कपड़ों के सामने की तरफ सफेद रंग में कोलकाता पुलिस का लोगो होगा।

संक्षिप्त समाचार

हाजीपुर में ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार की मौत, चालक समेत ट्रैक्टर पुलिस के हवाले

हाजीपुर। हाजीपुर के इमातपुर-महुआ मार्ग पर शंभूपुर ग्वार कुंवारी गांव के पास बुधवार को तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार मुकेश सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने ट्रैक्टर और उसके चालक को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। मृतक की पहचान मुजफ्फरपुर जिले के करजा शक्ति गांव निवासी नागेंद्र सिंह के पुत्र मुकेश सिंह के रूप में हुई है। बताया गया कि मुकेश सिंह अपने भांजे को परीक्षा दिलाने के लिए बाइक से देसरी जा रहे थे। इसी दौरान शंभूपुर ग्वार कुंवारी गांव के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मुकेश सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। कुछ ही देर में घटनास्थल पर उनकी मौत हो गई। घटना के बाद सड़क पर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने ट्रैक्टर और उसके चालक को पकड़ लिया। इसके बाद सराय पुलिस को हादसे की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही सराय थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने लोगों को समझाकर स्थिति को संभाला और ट्रैक्टर व चालक को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। घटना की सूचना मृतक के परिजनों को भी दे दी गई है। पुलिस हादसे की परिस्थितियों की जांच करते हुए आगे की कार्रवाई में जुटी है।

बाढ़ के पानी में डूबने लगीं 2 महिलाएं और बच्ची, 200 मीटर बहने के बाद नाविकों ने किया रेस्क्यू

हाजीपुर। हाजीपुर के राघोपुर जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र के शिवनगर विश्राम पुल के पास बुधवार को बाढ़ के पानी में नहाने के दौरान दो महिलाएं और एक बच्ची तेज बहाव की चपेट में आकर डूबने लगीं। तीनों पानी में करीब 200 मीटर तक बह गईं। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों और स्थानीय नाविकों ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया और काफी मशक्कत के बाद तीनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। समय पर हुए रेस्क्यू से बड़ा हादसा टल गया। डूबने वालों की पहचान जुड़ावनपुर करारी वार्ड नंबर 15 शिवनगर निवासी गीता देवी, चनो देवी और पिंकी कुमारी के रूप में हुई है। बताया गया कि तीनों गांव की अन्य महिलाओं के साथ विश्राम पुल के पास बाढ़ के पानी में नहा रही थीं। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से तीनों गहरे पानी में चली गईं। बाढ़ के पानी का बहाव तेज होने के कारण वे संभल नहीं सकीं और देखते ही देखते करीब 200 मीटर दूर तक बहने लगीं। तीनों को

डूबते देखकर साथ नहा रही महिलाओं ने शोर मचाया। आवाज सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर पहुंचे। कुछ ही देर में वहां बड़ी संख्या में लोग जुट गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय नाविक तुरंत नाव लेकर पानी में उतरे। ग्रामीणों और नाविकों ने मिलकर तीनों की तलाश शुरू की और तेज बहाव के बीच उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया। स्थानीय मोबाइल दुकानदार बिट्टू कुमार के अनुसार, गीता देवी, चनो देवी और पिंकी कुमारी को डूबते देखकर रेनू राय, सोनू कुमार, संजीव कुमार समेत कई युवा मौके पर पहुंचे। युवाओं और नाविकों की मदद से तीनों को बचाया गया। ग्रामीणों का कहना है कि बाढ़ के पानी का बहाव काफी तेज था। अगर बचाव कार्य शुरू होने में कुछ मिनट की भी देरी होती तो तीनों की जान खतरे में पड़ सकती थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद तीनों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। तीनों को प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद उन्हें परिवार के साथ घर भेज दिया गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से बाढ़ के पानी में नहाने के खतरों को लेकर जागरूकता अभियान चलाने की मांग की है। साथ ही विश्राम पुल जैसे गहरे और खतरनाक स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग की गई है।

सोनपुर मंडल में चला मेगा टिकट जांच अभियान, 1,888 बिना टिकट पकड़े गए

हाजीपुर। सोनपुर मंडल में बिना टिकट और गलत टिकट लेकर यात्रा करने वालों के खिलाफ एक बड़ा अभियान चलाया गया। यह मेगा टिकट जांच अभियान 14 सितंबर को सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, मानसी, खगड़िया और नवगछिया समेत कई स्टेशनों और ट्रेनों में हुआ। यह अभियान मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन के निर्देश और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक धीरज कुमार की देखरेख में चला। इसमें टिकट जांच करने वाले कर्मचारी, रेलवे सुरक्षा बल और वाणिज्य विभाग की टीमों ने मिलकर काम किया। इस जांच के दौरान 1,888 ऐसे यात्री पकड़े गए जो बिना टिकट, गलत टिकट या बिना सही परमिशन के यात्रा कर रहे थे। इन यात्रियों से रेलवे ने 16

लाख 54 हजार 710 रुपए का जुर्माना वसूला। रेलवे प्रशासन ने सभी यात्रियों से अपील की है कि वे हमेशा वैध टिकट लेकर ही यात्रा करें। बिना टिकट या गलत टिकट पर यात्रा करने पर रेलवे अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। सोनपुर मंडल ने साफ किया है कि रेलवे के राजस्व को बचाने और यात्रियों को नियमों के हिसाब से यात्रा की सुविधा देने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

ईशान स्नैक्स के नकली उत्पाद बनाने पर छापेमारी, पुलिस और कंपनी की लीगल टीम ने छापा मारा

हाजीपुर। हाजीपुर की औद्योगिक नगरी में मशहूर स्नैक्स ब्रांड ईशान स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर नकली उत्पाद बनाने का मामला सामने आया है। कंपनी की शिकायत के बाद पुलिस और कंपनी की लीगल टीम ने औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एएफपी मैन्युफैक्चरिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड पर छापा मारा। जांच में फैक्ट्री से चीकू और चटोरी ब्रांड के नकली रैपर और बड़ी मात्रा में कच्चा माल मिला है। कंपनी की लीगल टीम और पुलिस की मौजूदगी में फैक्ट्री को सील कर दिया गया। कंपनी के अधिकारियों का आरोप है कि यहां उनके ब्रांड के नाम और पैकेजिंग का इस्तेमाल करके नकली स्नैक्स बनाए जा रहे थे। इन्हें बाजार में सप्लाई करने की तैयारी थी। ईशान स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड के सेल्स मैनेजर दीपक कुमार ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों में कहा गया था कि बाजार में कंपनी के ब्रांड के नाम पर घटिया और नकली स्नैक्स बेचे जा रहे हैं। इन शिकायतों के बाद कंपनी ने अपने स्तर पर मामले की जांच शुरू की। कंपनी के मुताबिक, जांच के दौरान कुछ सुराग मिले। इसकी जानकारी बड़े अधिकारियों को दी गई। इसके बाद कंपनी की लीगल टीम हाजीपुर पहुंची और पुलिस से मदद मांगी। कंपनी की लीगल टीम ने हाजीपुर के औद्योगिक थाने में लिखित शिकायत दी। शिकायत में ब्रांड के नाम और

पैकेजिंग का गलत इस्तेमाल करने की बात कही गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम कंपनी की लीगल टीम के साथ फैक्ट्री में जांच के लिए पहुंची। छापेमारी के दौरान फैक्ट्री में मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों के सामने अलग-अलग जगहों की जांच हुई। इस दौरान चीकू और चटोरी ब्रांड के रैपर और बड़ी मात्रा में कच्चा माल मिला। पुलिस और कंपनी की लीगल टीम की कार्रवाई के बाद फैक्ट्री परिसर को सील कर दिया गया। कंपनी की ओर से कहा गया है कि डुप्लीकेट उत्पादों के बाजार में पहुंचने से ब्रांड की प्रतिष्ठा को नुकसान होने के साथ उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ सकता है। हालांकि, बरामद सामग्री का वास्तविक इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था और उससे कितनी मात्रा में उत्पाद तैयार किए गए या बाजार में भेजे गए, इसकी विस्तृत जांच पुलिस की ओर से की जा रही है।

भवन निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता के घर विजिलेंस की रेड

पटना और पूर्णिया के 3 ठिकानों पर छानबीन, आय से अधिक संपत्ति का आरोप

एजेंसी, पटना

पटना में विजिलेंस ने बुधवार को भवन निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता सत्येंद्र कुमार चौधरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में विजिलेंस टीम ने उनके तीन ठिकानों पर एक साथ तलाशी ले रही है। इनमें पूर्णिया स्थित दो और पटना स्थित एक ठिकाने शामिल हैं।

पटना और पूर्णिया में चल रही तलाशीः पटना के जिन दो जगहों पर छापेमारी चल रही है, उनमें से एक शास्त्री नगर थाना अंतर्गत C 11, कृषि नगर, शेखपुरा स्थित आवास पर तलाशी ली जा रही है। G+3 बिल्डिंग स्ट्रक्चर है। वहीं, दूसरा आवास पटना एम्स से एक किलोमीटर पहले इंडियन बैंक के पास स्वाति भवन है, जो G+5 बिल्डिंग स्ट्रक्चर है। जिसकी कीमत 10 करोड़ आंकी जा रही है। इसके अलावा पूर्णिया के निगरानी की अलग-अलग टीमें तीनों ठिकानों पर पहुंचकर दस्तावेज और संपत्ति से जुड़े कागजात की जांच कर रही हैं। तलाशी के दौरान आय और संपत्ति से संबंधित दस्तावेजों के साथ अन्य महत्वपूर्ण कागजात की भी पड़ताल की जा रही है।

आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोपः सत्येंद्र कुमार चौधरी पर आरोप है कि उन्होंने अपनी ज्ञात आय के स्रोतों की तुलना में अधिक संपत्ति अर्जित की है। इसी आरोप की जांच के तहत निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की ओर से यह कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल, तीनों ठिकानों पर तलाशी की कार्रवाई जारी है। निगरानी विभाग की कार्रवाई पूरी होने के बाद बरामदगी और संपत्ति से संबंधित विस्तृत जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

पटना समेत 5 जिलों में तेज बारिश, 26 में अलर्ट

एजेंसी, पटना

पटना में अचानक मौसम बदला है। दिन में काले बादल छाने से अंधेरा सा छा गया। दोपहर में शाम सा नजारा दिखने लगा। कुछ ही देर में मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। बगहा, मुंगेर-मधेपुरा में भी तेज बारिश हुई है। मौसम विभाग ने आज बुधवार को बिहार के 26 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। पटना समेत बाकी जिलों में मौसम सामान्य रहने का अनुमान है। सीवान में आकाशीय बिजली गिरने से दादा-पोते की मौत हो गई, जबकि एक युवक घायल है। वहीं भोजपुर में मछली पकड़ने गए मछुआरों ने घड़ियाल को पकड़ा, जिसके बाद वन विभाग को इसकी जानकारी दी गई। इधर, बिहार के 15 जिलों की 575 पंचायतों में करीब 50 लाख की आबादी अभी भी बाढ़ के पानी से घिरी हुई है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में केंद्रीय टीम आज बाढ़ से हुए नुकसान को देखने पहुंची है। सीएम ने अफसरों से केंद्रीय टीम को सटीक ब्योरा देने को कहा है।

इधर,कटिहार के रघुनाथपुर में सरकारी स्कूल और कोचिंग सेंटर बाढ़ के पानी में डूब गए हैं। ऐसे में बच्चों की पढ़ाई बंद न हो, इसके लिए गांव के शिक्षक मो. साहब ने नाव को ही पाठशाला बना दिया है।

वह रोज नाव चलाकर बच्चों को पढ़ाई के लिए सुरक्षित जगह तक लाते हैं। पानी से घिरे गांव के बीच बच्चे नाव में किताब-कॉपियां लेकर बैठते हैं और शिक्षक उन्हें पढ़ाते हैं। खगड़िया के परबत्ता प्रखंड की माधवपुर पंचायत के मुरादपुर गांव में गंगा का जलस्तर घटने के बाद भी बाढ़ का खतरा कम नहीं हुआ है।

बेली रोड फ्लाईओवर पर पलटी सरकारी बस

एजेंसी, पटना

पटना के हवाई अड्डा थाना क्षेत्र में बुधवार को बिहार राज्य पथ परिवहन निगम लिमिटेड की एक बस अचानक फ्लाईओवर पर पलट गई। हादसा पारस अस्पताल के पास हुआ। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस की रफ्तार काफी तेज थी। अनियंत्रित होने के बाद बस डिवाइडर से टकराकर उसे पार कर गई और रास्ते में लगे गमलों को तोड़ते हुए दूसरे लेन में पहुंच गई। इसके बाद बस पलट गई।

❐ डिवाइडर फांदकर दूसरी लेन में पहुंची, क्रेन से साइड की गई बस

कुछ देर रुकी रही पुल पर ट्रैफिकः हादसे की सूचना मिलते ही ट्रैफिक एसपी, सीडीपीओ और संबंधित पदाधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया और यातायात व्यवस्था को सामान्य बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई की।

फ्लाईओवर पर बस के पलटने से कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ। वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए पुलिसकर्मियों को मौके पर लगाया गया। इसके बाद बस को जेसीबी क्रेन सड़क से हटाया गया, जिससे यातायात को सुचारु किया जा सके।

फिलहाल हादसे में किसी के हताहत होने की स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और बस के अनियंत्रित होकर पलटने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

पटना में 27 किलो गांजे के साथ 3 तस्कर गिरफ्तार सुपौल से पटना पहुंचे थे, कीमत करीब 6 लाख

एजेंसी, पटना

पटना के गोपालपुर थाना पुलिस ने बुधवार को पासवान चौक के पास कार्रवाई करते हुए 27 किलो गांजे के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब 6 लाख रुपए है। आरोपियों के पास से 1,450 रुपए नकद और तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। पुलिस अब गांजे की सप्लाई के स्रोत और नेटवर्क से जुड़े लोगों का पता लगा रही है।

सुपौल के रहने वाले हैं तीनों आरोपीः गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चंदन कुमार मेहता (21), पवन कुमार (26) और अजीत कुमार मेहता (20) के रूप में हुई है। तीनों सुपौल जिले के भीमपुर थाना क्षेत्र के ठुथी गांव के रहने वाले बताए गए हैं। पटना सदर पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी रंजन कुमार के अनुसार, गांजा तस्करी से जुड़े नेटवर्क की जानकारी मिलने के बाद गोपालपुर थाना क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। इसी दौरान पासवान चौक के पास तीनों युवक पुलिस के हाथ लगे। तलाशी में उनके पास से गांजे की बड़ी खेप बरामद हुई।

नेपाल से गांजा लाने की आशंका, पुलिस कर रही जांचः पुलिस यह पता लगा रही है कि गांजा नेपाल या उसके आसपास के इलाकों से बिहार लाया गया था या नहीं। सुपौल नेपाल सीमा के नजदीक होने के कारण पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है। हालांकि, अभी तक गांजे के स्रोत की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस को आशंका है कि बरामद गांजे की खेप को पटना में सप्लाई किया जाना था। यह खेप किन लोगों तक पहुंचाई जानी थी और नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसकी जानकारी आरोपियों से पूछताछ के बाद सामने आने की उम्मीद है।

मोबाइल से खुलेगा सप्लाई नेटवर्क का राजः पुलिस ने आरोपियों के तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। अब मोबाइल में मौजूद कॉल डिटेल, संपर्कों और अन्य जानकारी की जांच की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि इससे गांजा सप्लाई से जुड़े लोगों और नेटवर्क के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते हैं।

❐ नेपाल कनेक्शन की जांच शुरू

अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क से संपर्क की भी जांचः पुलिस गिरफ्तार तीनों युवकों से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वे केवल गांजे की खेप पहुंचाने का काम करते थे या तस्करी के नेटवर्क में उनकी कोई बड़ी भूमिका थी। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि उनका किसी अंतरराष्ट्रीय तस्करी गिरोह से संपर्क है या नहीं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, नेपाल और आसपास के इलाकों से बिहार के रास्ते नशीले पदार्थों की तस्करी की सूचनाएं मिलती रही हैं। इसी वजह से बरामद गांजे की खेप के स्रोत और इसके पीछे सक्रिय नेटवर्क की जांच को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

श्राद्ध का भोज खाने से 55 लोगों की तबियत बिगड़ी, बुखार, दस्त और कमजोरी के दिखे लक्षण

एजेंसी, पटना

बिहटा के कंचनपुर गांव में श्राद्ध भोज खाने के बाद बीमार होने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। मंगलवार को 20 लोगों की तबीयत बिगड़ने के बाद बुधवार सुबह तक यह आंकड़ा 55 पहुंच गया। इतनी संख्या में लोगों के बीमार पड़ने से पूरे गांव में हड़कंप मच गया है। स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की टीम मामले पर नजर रख रही है। जानकारी के मुताबिक, सोमवार शाम कंचनपुर गांव में श्राद्ध कर्म का आयोजन हुआ था। इसमें शामिल लोगों ने चावल, दाल, सब्जी और दहीबड़ा जैसे पकवान खाए थे। खाना खाने के बाद कई लोगों को तबीयत खराब होने की शिकायत हुई। इसके बाद बीमार लोगों को तुरंत बिहटा रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

20 से शुरू होकर 55 तक पहुंची मरीजों की संख्याः मंगलवार शाम तक अस्पताल में मरीजों की संख्या 20 थी, जो बाद में 32 हुई और बुधवार सुबह 55 तक पहुंच गई। मरीजों की संख्या बढ़ने से बिहटा रेफरल अस्पताल मे 55 हों गए है स्थानीय गांव वालों लोगों ने जानकारी दी की इसके बाद कई मरीजों को पास के निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। बुधवार सुबह रेफरल अस्पताल के डॉक्टर विनोद ने बताया कि मरीजों की संख्या लगातार बढ़ी है, लेकिन फिलहाल अस्पताल में भर्ती मरीजों की हालत सामान्य है। मरीज मुकेश कुमार और सूरज प्रसाद राय ने बताया कि उन्हें बुखार, कमजोरी और दस्त जैसी दिक्कतें हो रही हैं। डॉक्टरों की टीम सभी मरीजों पर नजर रख रही है और जरूरी इलाज दे रही है।

घटना की जानकारी मिलते ही पटना जिला प्रशासन, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम सक्रिय हो गई है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। यह बीमारी खाने की वजह से फैली है या कोई और कारण है, यह जांच के बाद ही साफ हो पाएगा। प्रशासन गांव की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

मंगलवार रात पटना पश्चिम के सिटी एसपी संकेत कुमार बिहटा रेफरल अस्पताल पहुंचे। उन्होंने कंचनपुर गांव में श्राद्ध भोज के बाद बीमार पड़े लोगों की स्थिति का जायजा लिया। एसपी ने बताया कि भोजन के सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिए गए हैं और जांच के आधार पर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पुष्टि की कि अस्पताल में भर्ती सभी मरीज सुरक्षित हैं और डॉक्टरों की देखरेख में हैं।

जेपी सेतु पर स्कॉर्पियो ने बाइक को मारी टक्कर, बाइक सवार दूर जा गिरा

एजेंसी, पटना

पटना सिटी के जेपी सेतु पर मंगलवार रात तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार गोपाल कुमार (45) सड़क पर दूर जा गिरे। वहीं, टक्कर के बाद उनकी बाइक में आग लग गई और देखते ही देखते बाइक पूरी तरह जल गई। हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक मौके से फरार हो गया। घटना के बाद जेपी सेतु के मरीन ड्राइव इलाके में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने मालसलामी थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल गोपाल कुमार को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत खतरे से बाहर है।

काम खत्म कर बाइक से घर लौट रहे थेः गोपाल कुमार पटना सिटी के बाईपास स्थित महादेव स्थान के रहने वाले हैं और पटना में एक निजी दुकान में काम करते हैं। मंगलवार रात काम खत्म करने के बाद वह मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान जेपी सेतु पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह बाइक से उछलकर सड़क पर जा गिरे। हादसे में बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कुछ ही देर में उसमें आग लग गई और बाइक धू-धूकर जलने लगी। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इस बीच स्कॉर्पियो चालक गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। मालसलामी पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। पुलिस अन्य माध्यमों से भी फरार स्कॉर्पियो और उसके चालक की पहचान करने में जुटी है।

पिता की मौत के बाद बेटे ने किया नेत्रदान

एजेंसी, पटना

पिता की मौत का दुख परिवार के लिए सबसे कठिन समय होता है, लेकिन बेतिया के रहने वाले जितेंद्र महतो ने इसी मुश्किल घड़ी में ऐसा फैसला लिया, जिससे उनके पिता की आंखें किसी और की दुनिया रोशन कर सकती हैं। पिता कोड़ाई महतो (60) के निधन के बाद बेटे जितेंद्र ने PMCH आई बैंक की टीम से संपर्क किया। आई बैंक के ऋषिकेश और गोनु झा ने परिवार को नेत्रदान की प्रक्रिया और इसके महत्व की जानकारी दी। काउंसलिंग के बाद जितेंद्र ने नेत्रदान के लिए सहमति दे दी। इसके बाद PMCH की इमरजेंसी ओटी में डॉ. शुभम और डॉ. पूजा की टीम ने कॉर्निया निकालने की प्रक्रिया पूरी की। इस कॉर्निया से दो जरूरतमंदों को रोशनी मिल सकती है।

जितेंद्र महतो मजदूरी कर अपने परिवार का गुजारा करते हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद उन्होंने नेत्रदान के महत्व को समझा। उनका मानना था कि पिता की आंखें किसी ऐसे व्यक्ति के काम आ सकें, जो अंधेपन के कारण दुनिया नहीं देख पा रहा है, तो इससे बड़ी बात और क्या होगी। पिता के निधन के बाद परिवार पहले ही दुखी था। ऐसे मुश्किल समय में नेत्रदान का फैसला लेना आसान नहीं था। आई बैंक की टीम की काउंसलिंग के बाद जितेंद्र ने तय किया कि पिता की आंखें किसी और के जीवन में रोशनी लाने का माध्यम बनेंगी। जितेंद्र को सम्मानित करते हुए पीएमसीएच अधीक्षक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने कहा, 'नेत्रदान और अंगदान को लेकर समाज में अभी भी कई तरह के भ्रम और अंधविश्वास हैं।

मशीन लगी है, लेकिन रेडियोलॉजिस्ट नहीं, न्यू गार्डिनर अस्पताल में 2 साल से अल्ट्रासाउंड सेवा बंद

एजेंसी, पटना

पटना के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल न्यू गार्डिनर रोड अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की सुविधा करीब दो साल से बंद है। यहां अल्ट्रासाउंड मशीन मौजूद है, लेकिन रेडियोलॉजिस्ट नहीं होने के कारण मरीजों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। जांच के लिए अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को मजबूरी में निजी जांच केंद्रों का रुख करना पड़ रहा है। इसका सबसे ज्यादा असर पेट दर्द की शिकायत वाले मरीजों और दूसरे अस्पतालों से रेफर होकर आने वाली गर्भवती महिलाओं पर पड़ रहा है। डॉक्टर अल्ट्रासाउंड कराने की सलाह देते हैं, लेकिन अस्पताल में सुविधा बंद होने के कारण मरीजों को निजी जांच केंद्रों

का रुख करना पड़ रहा है। रिपोर्ट लेकर उन्हें फिर अस्पताल लौटना होता है। इससे मरीजों का समय और अतिरिक्त पैसा दोनों खर्च हो रहे हैं।

मशीन मौजूद, अल्ट्रासाउंड कक्ष में लगा है तालाः न्यू गार्डिनर रोड अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन उपलब्ध है, लेकिन विशेषज्ञ के अभाव में इसका इस्तेमाल नहीं हो रहा। अल्ट्रासाउंड कक्ष में ताला लगा है। बाहर एक नोटिस भी लगाया गया है, जिसमें डॉक्टर उपलब्ध नहीं होने के कारण जांच बंद होने की जानकारी दी गई है। अस्पताल में पटना और आसपास के इलाकों से रोज बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। सरकारी अस्पताल में जांच की उम्मीद लेकर आने वाले मरीजों को नोटिस देखकर वापस लौटना पड़ता है या निजी जांच केंद्र जाना पड़ता है।

गर्भवती महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानीः अस्पताल में इलाज के लिए आने वाली गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउंड के लिए अस्पताल से बाहर जाना पड़ता है। निजी केंद्र पर जांच कराने के बाद रिपोर्ट लेकर उन्हें दोबारा अस्पताल आना पड़ता है। मरीजों का कहना है कि जब अस्पताल में मशीन पहले से मौजूद है तो जांच की सुविधा भी यहीं उपलब्ध होनी चाहिए। खासकर गर्भवती महिलाओं के लिए बार-बार अस्पताल और निजी जांच केंद्र के बीच आना-जाना परेशानी भरा है। इसके अलावा बाहर जांच कराने पर अतिरिक्त खर्च भी उठाना पड़ता है।

डॉक्टर लिखते हैं जांच, मरीजों को जाना पड़ता है बाहरः अस्पताल में डॉक्टर मरीज की स्थिति के अनुसार अल्ट्रासाउंड की सलाह देते हैं। लेकिन सुविधा बंद होने के कारण मरीजों को निजी केंद्र में जांच करानी पड़ती है। इससे सरकारी अस्पताल में इलाज कराने आए मरीजों को एक ही जांच के लिए दो जगह जाना पड़ता है। मरीजों के लिए परेशानी तब और बढ़ जाती है, जब उन्हें रिपोर्ट लेकर उसी दिन दोबारा डॉक्टर से परामर्श लेना होता है।

एमजीसीयू में नवागत विद्यार्थियों को मिली ज्ञान, संस्कार और आत्मविश्वास की दीक्षा

"क्या आप तकनीक का उपयोग कर रहे हैं, या तकनीक आपका उपयोग कर रही है?" - कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तवः

बीएनएम@ मोतिहारी

शरद ऋतु की स्वच्छ प्रभात में महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय का महात्मा गांधी सभागार आज ज्ञान, संकल्प और आशीर्वचनों की त्रिवेणी से आप्लावित हो उठा, जब "दीक्षारंभ समारोह 2026" के अंतर्गत नवागत विद्यार्थियों का भावभीना स्वागत किया गया। स्नातकोत्तर एवं नवसंचालित पाँच वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले रहे सैकड़ों विद्यार्थी इस अविस्मरणीय अवसर के साक्षी बने, जो उनके जीवन के एक नूतन अध्याय का शुभारंभ था। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की। मुख्य अतिथि के रूप में जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार वाजपेयी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी ने समारोह की गरिमा को बढ़ाया। शैक्षणिक मामलों के निदेशक प्रो. शिरीष मिश्रा के सारगर्भित स्वागत भाषण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

"शॉर्टकट मत अपनाइए, परिश्रम से भाग्य गढ़िए" — कुलानुशासक प्रो. प्रसून दत्त सिंह- कुलानुशासक प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज उनके सामने वे ही संकल्प साकार खड़े हैं, जिन्हें लेकर वे यहाँ तक की यात्रा तय करके आए हैं — और इन संकल्पों में कभी विचलन नहीं आना चाहिए। उन्होंने इस अवसर को "जीवन-निर्माण का पावन क्षण" निरूपित करते हुए आत्म-संयम, सुचिता, बुद्धि की उर्वरता और गुरु-वंदना को विद्यार्थी जीवन की आधारशिला बताया। उनके शब्दों में दृढ़ता झलकती रही: "शॉर्टकट मत अपनाइए। परिश्रम से ही आप भाग्य का निर्माण कर सकते हैं।"

"मनुष्य योनि, भारत भूमि पर जन्म और एमजीसीयू में अध्ययन का सौभाग्य" — प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी- विशिष्ट अतिथि प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी ने अपने ओजस्वी वक्तव्य में विद्यार्थियों का आह्वान किया कि उन्हें तीन बातों पर गौरव का अनुभव होना चाहिए — मनुष्य योनि में जन्म, भारत भूमि पर जन्म, और एमजीसीयू में अध्ययन का दुर्लभ सौभाग्य। उन्होंने 2047 के विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने में विद्यार्थियों की भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्हें "लेने वाला नहीं, देने वाला" बनने की प्रेरणा दी। जीवन का उद्देश्य निर्धारित करना ही सर्वोपरि कर्तव्य है, यह प्रतिपादित करते हुए उन्होंने अपना उद्बोधन "हरिओम" के दिव्य उद्घोष के साथ विराम दिया।

"आप यहाँ पढ़ने नहीं, गढ़ने आए हैं" — प्रो. परमेंद्र कुमार वाजपेयी- मुख्य अतिथि प्रो. परमेंद्र कुमार वाजपेयी का उद्बोधन समारोह का हृदय-स्थल सिद्ध हुआ। उन्होंने कहा कि बड़ी-बड़ी बातें करना सहज है, परंतु छोटी-छोटी बातों को जीवन में उतारना और उनमें निरंतरता बनाए रखना ही सफलता की सच्ची कुंजी है। संस्कृत के एक गीत "संघे शक्ति कलौ युगे" का स्मरण कराते हुए उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया, "अकेले नहीं, एक साथ बैठिए। एक साथ बढ़िए।" उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्यार्थी यहाँ केवल उपाधि अर्जित करने नहीं, बल्कि आत्मनिर्माण और ज्ञानार्जन हेतु आए हैं — क्योंकि श्रद्धा के बिना ज्ञान संभव नहीं, और सीखना जीवनपर्यंत चलने वाली साधना है। "काग चेष्टा" के प्राचीन दृष्टांत से सतत परिश्रम की प्रेरणा देते हुए उन्होंने विद्यार्थियों से "विवेकवान" नहीं, "प्रज्ञावान" बनने का आह्वान किया। नई पीढ़ी को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विभाजन की सोच त्यागकर सकारात्मकता अपनाई जाए और किसी भी पूर्वाग्रह से मुक्त होकर ऐसा विश्व गढ़ा जाए, जो विकृतियों से रहित हो। उन्होंने अंत में आह्वान किया कि ज्ञान को व्यवहार में उतारकर विकसित भारत का निर्माण किया जाए और विश्व को नई दिशा दी जाए।

"क्या तकनीक आपका उपयोग कर रही है?" — कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव- कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप 12 विषयों में पाँच वर्षीय एकीकृत स्नातक-स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आरंभ किए हैं, जिनमें कंप्यूटर साइंस में बी.टेक-एम.टेक तथा समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, संस्कृत, हिंदी और अंग्रेज़ी में बीए-एमए पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त हिंदू स्टडीज़ में एमए, फूड एंड एग्रीबिज़नेस में एमबीए तथा गांधीयन एंड पीस स्टडीज़ में एमए जैसे नवीन स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी इस वर्ष प्रारंभ किए गए हैं।

भारत द्वारा हाल ही में नई दिल्ली में संपन्न ब्रिक्स सम्मेलन का उल्लेख करते हुए कुलपति ने प्रधानमंत्री के "तकनीक के हथियारीकरण" संबंधी सचेत करने वाले वक्तव्य का स्मरण कराया और विद्यार्थियों से एक प्रश्न सदैव अपने साथ रखने का अनुरोध किया — "क्या आप तकनीक का उपयोग कर रहे हैं, या तकनीक आपका उपयोग करना शुरू कर चुकी है?" आभासी दुनिया की चमक-दमक की तुलना में वास्तविक जीवन के सौंदर्य को प्राथमिकता देने की सीख देते हुए उन्होंने कहा, "आभासी दुनिया आपको लाखों लोगों से जोड़ सकती है, परंतु वह आपके बगल में बैठे व्यक्ति का स्थान कदापि नहीं ले सकती।" डिजिटल पीढ़ी के लिए उन्होंने एक अनूठी एवं मौलिक सलाह भी दी — "बोरियत की कला" सीखने की, यह कहते हुए कि बोरियत ही रचनात्मकता और मौन विचारों की सृजनभूमि है। उन्होंने विश्वविद्यालय के शत-प्रतिशत रैगिंग-मुक्त परिसर होने की पुनःपुष्टि की तथा आगामी मध्य-सत्रीय परीक्षा हेतु अनिवार्य 75% उपस्थिति का स्मरण कराया। कार्यक्रम के समापन पर विशिष्ट कार्य अधिकारी (प्रशासन) प्रो. अतुल कुमार शरण ने भावपूर्ण धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

डीएम ने की समीक्षा बैठक, योजनाओं में तेजी लाने का दिया निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला के पकड़ीदयाल अनुमंडल के पताही प्रखंड स्थित पदुमकेर पंचायत सरकार भवन में बुधवार को जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव की अध्यक्षता में अनुमंडल स्तरीय समीक्षात्मक बैठक हुई। उक्त बैठक में अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा और सहायक समाहर्ता राजकृष्ण झा समेत अनुमंडल के सभी संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में जिलाधिकारी श्री यादव ने सबसे पहले आवास योजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारियों से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय किस्त के भुगतान की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही आवास योजना से अब तक वंचित पात्र लाभुकों को योजना का लाभ दिलाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने अनुमंडल क्षेत्र में अधूरे पंचायत सरकार भवनों को शीघ्र पूरा कराने को कहा। वहीं सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारियों को पंचायतों में लगे सोलर लाइटों की जांच कराने तथा खराब लाइटों की तत्काल मरम्मत कराने का निर्देश दिया। बैठक में पंचायतों में संचालित विभिन्न योजनाओं की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने योजनाओं को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा कराने पर जोर दिया। लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली गई। सभी अंचल अधिकारियों को अंचल कार्यालय से संबंधित कार्यों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। नए पंचायत सरकार भवन, अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई एवं नए आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने को भी कहा गया। कायाकल्प योजना की समीक्षा के दौरान मनरेगा के कार्यक्रम पदाधिकारियों एवं प्रखंड विकास पदाधिकारियों को प्रत्येक पंचायत से 10-10 योजनाओं का चयन कर उन्हें लागू कराने का निर्देश दिया गया। अंत में जिलाधिकारी ने सभी पदाधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों का ससमय निष्पादन करने तथा आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसका विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया।

50 हजार फॉलोअर्स वाले सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को जोड़ेगी मोतिहारी पुलिस

बीएनएम@ मोतिहारी

सोशल मीडिया की बढ़ती पहुंच और प्रभाव को देखते हुए मोतिहारी पुलिस अब डिजिटल क्रिएटर्स और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को जनजागरूकता अभियान से जोड़ने की तैयारी में है। इसके लिए पुलिस प्रशासन की ओर से सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का एक विशेष समूह तैयार किया जाएगा। अभियान में प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 50 हजार या उससे अधिक फॉलोअर्स वाले सक्रिय डिजिटल क्रिएटर्स को शामिल किया जाएगा। एसपी स्वर्ण प्रभात के अनुसार, सोशल मीडिया की व्यापक पहुंच का इस्तेमाल जनहित में किया जाएगा। इन्फ्लुएंसर्स के माध्यम से साइबर ठगी से बचाव, यातायात नियमों के पालन, नशामुक्ति और अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों पर लोगों को जागरूक किया जाएगा। पुलिस की जनहितकारी गतिविधियों और महत्वपूर्ण सूचनाओं को भी डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की योजना है। पुलिस प्रशासन का मानना है कि बड़ी संख्या में फॉलोअर्स वाले सोशल मीडिया क्रिएटर्स कम समय में व्यापक आबादी तक अपनी बात पहुंचा सकते हैं। इसी को देखते हुए पुलिस और डिजिटल क्रिएटर्स के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की कवायद शुरू की गई है। प्रस्तावित समूह के जरिए पुलिस की जनजागरूकता मुहिम को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा। इससे सुरक्षा और सावधानी से जुड़े संदेश पारंपरिक माध्यमों के साथ डिजिटल माध्यम से भी लोगों तक पहुंच सकेंगे।

पताही में निरीक्षण के दौरान शिक्षक बने डीएम, 40 मिनट तक बच्चों को पढ़ाया गणित

बीएनएम@ मोतिहारी

पदूमकेर स्कूल में अचानक पहुंचे डीएम सौरभ सुमन यादव, ब्लैकबोर्ड पर सवाल हल कराकर परखी बच्चों की समझ

पंचायतों की जमीनी हकीकत और विकास कार्यों की समीक्षा करने निकले जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव बुधवार को पदूमकेर पंचायत के राजकीय उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय पहुंच गए। स्कूल में अचानक डीएम को देखकर छात्र-छात्राएं उत्साहित हो गए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने शिक्षक की भूमिका निभाई और करीब 40 मिनट तक बच्चों को गणित पढ़ाया। डीएम ने ब्लैकबोर्ड पर गणित के सवाल लिखकर बच्चों से हल कराया। सही जवाब देने वाले बच्चों का उत्साह बढ़ाया और पढ़ाई में लगातार रुचि बनाए रखने को कहा। उन्होंने बच्चों से हिंदी और अंग्रेजी विषय की पढ़ाई को लेकर भी बातचीत की और उनकी शैक्षणिक समझ परखी।

पढ़ाई के साथ अनुशासन भी जरूरी- डीएम ने बच्चों से कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए पढ़ाई के साथ अनुशासन भी जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपराध और नशे से दूर रहने की सलाह दी। साथ ही बच्चों से अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने को कहा। उन्होंने बच्चों को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

स्कूल की व्यवस्था में सुधार का निर्देश- निरीक्षण के दौरान डीएम ने शिक्षा साथी ऐप के उपयोग की जानकारी ली। उन्होंने विद्यालय में शौचालय और मध्याह्न भोजन की व्यवस्था की भी जानकारी ली और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। कमजोर दिखने वाले बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी लेते हुए प्रधान शिक्षक सुनील पाठक को ऐसे विद्यार्थियों की एनीमिया जांच कराने का निर्देश दिया। डीएम श्री यादव ने कहा कि बच्चों की बेहतर शिक्षा के साथ उनके स्वास्थ्य और सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

बच्चों ने पूछा- सर, अगली बार कब आएंगे- करीब 40 मिनट तक डीएम को अपने बीच शिक्षक की भूमिका में देखकर बच्चे काफी उत्साहित रहे। कक्षा खत्म होने पर कई बच्चों ने डीएम से पूछा, "सर, अगली बार कब आएंगे?" इस पर डीएम ने क्षेत्र में आने के दौरान दोबारा बच्चों से मिलने का भरोसा दिया। विद्यालय का निरीक्षण करने के बाद जिलाधिकारी पदूमकेर पंचायत सरकार भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में शामिल होने के लिए रवाना हो गए।

एल.एन.डी. कॉलेज में तीन दिवसीय आणविक जीव विज्ञान कार्यशाला का सफल समापन

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर के एल.एन.डी. कॉलेज के वनस्पति विज्ञान एवं प्राणी विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान तथा सेंट्रल रिसर्च फैसिलिटी (सीआरएफ), एम.एस. कॉलेज, मोतिहारी के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय "फ्रॉम जेल टू जीन" कार्यशाला का बुधवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को आणविक जीव विज्ञान एवं जैव विज्ञान की विभिन्न महत्वपूर्ण प्रयोगशाला तकनीकों का सैद्धांतिक ज्ञान देने के साथ उनका प्रत्यक्ष प्रदर्शन एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण भी कराया गया। कार्यशाला के अंतिम दिन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विद्यार्थियों को सीआरएफ, एम.एस. कॉलेज, मोतिहारी ले जाया गया, जहां उन्होंने डीएनए निष्कर्षण, जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस एवं पीसीआर (पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन) की प्रक्रियाओं को करीब से समझा। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को प्रयोगशाला उपकरणों के उपयोग एवं विभिन्न चरणों की जानकारी दी गई। तीन दिनों के दौरान विद्यार्थियों को ग्राम स्टेनिंग, रक्त परीक्षण, यूवी-विश्लेषण स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, प्रतिदीप्ति स्पेक्ट्रोस्कोपी, जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस एवं पीसीआर जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों का प्रदर्शन कराया गया। इससे विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान को प्रयोगशाला के वास्तविक अनुभव से जोड़ने का अवसर मिला। शाम को आयोजित प्रमाण-पत्र वितरण समारोह में प्रतिभागी विद्यार्थियों के साथ कार्यशाला के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्वयंसेवकों को भी प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में डॉ. दुर्बादल भट्टाचार्य, बर्सर, डॉ. शफीकुर रहमान, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. रवि रंजन सिंह, डॉ. संतोष विष्णोई एवं डॉ. ज्योत्सना कुमारी की उपस्थिति रही। अतिथियों ने विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी वैज्ञानिक जिज्ञासा एवं अनुसंधान के प्रति उत्साहित रहने का संदेश दिया। पूरे कार्यक्रम का संचालन कार्यशाला संयोजक प्रो. अरविंद कुमार ने किया, जबकि सह-संयोजक डॉ. नीरज कुमार ने आयोजन की सभी गतिविधियों में सक्रिय एवं प्रभावी सहयोग प्रदान किया। दोनों के समन्वय से कार्यशाला के व्याख्यान, तकनीकी सत्र, प्रयोगशाला प्रदर्शन एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न हुए। तीन दिनों की यह कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए कक्षा से प्रयोगशाला और सिद्धांत से प्रयोग तक की एक उपयोगी वैज्ञानिक यात्रा साबित हुई। विद्यार्थियों ने आधुनिक तकनीकों को नजदीक से समझने के साथ उन्हें प्रयोगशाला के वास्तविक वातावरण में देखने और सीखने का अनुभव प्राप्त किया।

स्वतंत्रता संग्राम के अमिट हस्ताक्षर हैं मौलाना आजाद : डॉ. खालिद

» कॉन्फ्रेंस में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर

बीएनएम@ मोतिहारी

पैगाम-ए-आजाद कॉन्फ्रेंस की तैयारी को लेकर प्रखंड प्रभारियों की बैठक

आगामी 22 नवंबर को प्रस्तावित पैगाम-ए-आजाद कॉन्फ्रेंस की तैयारियों को लेकर प्रखंड प्रभारियों की बैठक बुधवार को जानपुल-स्टेशन रोड स्थित वार्ड संख्या 22 के पार्षद एहतेशामुल हक उर्फ चुनचुन के आवास पर हुई। बैठक की अध्यक्षता कॉन्फ्रेंस आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. तबरेज अजीज ने की, जबकि संचालन पत्रकार इंतजारुल हक ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए विधान परिषद सदस्य डॉ. खालिद अनवर ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में हमारे पूर्वजों ने अनगिनत कुर्बानियां दीं। मौलाना अबुल कलाम आजाद, मौलाना महमूदुल हसन देवबंदी, मौलाना जौहर अली और मौलाना फैजल-ए-हक खैराबादी जैसे अनेक उलेमा के त्याग और बलिदान का प्रतिफल देश की आजादी है। ऐसे वीर सपूतों को याद करना और उनके विचारों को आगे बढ़ाना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद स्वतंत्रता संग्राम के अमिट हस्ताक्षर हैं। आजादी के बाद उन्होंने देश में शिक्षा के क्षेत्र को मजबूत आधार प्रदान किया, जिस पर भारतीय शिक्षा व्यवस्था आज भी खड़ी है। डॉ. अनवर ने पैगाम-ए-आजाद कॉन्फ्रेंस को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। वहीं आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. तबरेज अजीज ने कहा कि मौलाना आजाद का व्यक्तित्व बहुआयामी था। उनके विचारों और आदर्शों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना समय की बड़ी जरूरत है। उन्होंने वर्तमान परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि मुसलमानों के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक उत्थान के लिए सामुदायिक स्तर पर निरंतर प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। पैगाम-ए-आजाद कॉन्फ्रेंस समाज में जागरूकता पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बैठक में डॉ. परवेज अजीज, डॉ. के. आलम, डॉ. ताहिरा तबस्सुम, पूर्व मुखिया गुड्डू खान, पत्रकार ओजैर अंजुम, मोहम्मद अमानुल्लाह और एपीसीआर के जिलाध्यक्ष मोहम्मद सोहैल साहिल समेत अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे। इससे पूर्व क्षेत्रीय वार्ड पार्षद मोहम्मद एहतेशामुल हक ने अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर एमएलसी डॉ. खालिद अनवर को सम्मानित किया। बैठक में डॉ. अब्दुल खबीर, डॉ. एम.एम. आलम, डॉ. आसिफ हुसैन, जदयू नेता मोहम्मद असादुल्लाह, भाजपा के प्रदेश महासचिव अब्दुल रहमान, अली पब्लिक स्कूल के निदेशक मौलाना अबुल हसनात नदवी, एमआर आईटीआई के प्राचार्य ई. अनीसुर्रहमान, प्रो. सफीरुल होदा, इम्तियाज अहमद, डॉ. अकील अहमद, कारी मनव्वर हुसैन, चकिया के व्यवसायी मोहम्मद इश्तियाक अहमद, डॉ. शमसुल होदा, डॉ. सबा अख्तर शोख, डॉ. दिलशाद अहमद, डॉ. शादाब अहमद, चांदी खान, दानिश खान, आफताब जुबैर, आरिफ हयात, पूर्व सीनेटर सैयूम अंसारी, राजद नेता नूरशीद अहमद, नूर आलम खान, अबूटा के सचिव मोहम्मद अमानुल्लाह, एपीसीआर जिलाध्यक्ष मोहम्मद सोहैल साहिल, राजद नेता हसीब राजा, जदयू नेता जियाउल हक, बथना के पूर्व मुखिया गुड्डू खान, युवा राजद के प्रखंड अध्यक्ष अतिकुर्रहमान, जदयू नेता जियाउर्रहमान, खालिद शाहीन, डॉ. खुर्शीद आलम, अशरफ खान, वाहिद हुसैन, महफूज अरमान खान, डॉ. मोहम्मद शरीफ और महबूब आलम खान समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

रेड में बरामद रकम से 3 लाख छिपाने का आरोप, चार सिपाहियों पर गिरी गाज

बीएनएम@ मोतिहारी

पुलिस महकमे में भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता के खिलाफ मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने सख्त कार्रवाई की है। छापेमारी के दौरान बरामद नकदी में से तीन लाख रुपये कथित तौर पर गायब कर पुलिस वाहन में छिपाने के मामले में चार सिपाहियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। बर्खास्त किए गए पुलिसकर्मियों में सिपाही 940 संतोष कुमार, सिपाही 672 गौतम कुमार यादव, सिपाही 633 कृष्ण कुमार और सिपाही 14 ओमप्रकाश शमील थे। उक्त मामला गोविंदगंज थाना क्षेत्र के रढ़िया गांव का है। पुलिस के अनुसार, जौनपुर निवासी मोहनजी गुप्ता से जालसाजी और ठगी के जरिए 19 लाख रुपये नकद, दो मोबाइल और एक सोने की चेन छीने जाने की शिकायत पर गोविंदगंज थाने में कांड संख्या 280/2025 दर्ज की गई थी। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस टीम ने 21 नवंबर 2025 की रात मामले के प्राथमिक अभियुक्त चंदन सिंह के ठिकाने पर छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने 4.15 लाख रुपये नकद, 10 सोने के बिस्कुट और एक सोने की चेन बरामद की। पुलिस के मुताबिक, छापेमारी दल में शामिल चारों सिपाहियों पर बरामद रकम वाले बैग से तीन लाख रुपये निकालकर पुलिस वाहन में छिपाने का आरोप लगा। पूछताछ के दौरान रुपये छिपाने की बात सामने आने के बाद रकम बरामद कर विधिवत जब्ती सूची तैयार की गई। इस मामले में गोविंदगंज थानाध्यक्ष पु.नि. राजकुमार मिश्रा के आवेदन पर साहेबगंज थाना, मुजफ्फरपुर में कांड संख्या 691/2025 दर्ज किया गया। पुलिस ने BNS की धारा 303(2) और 317(2) के तहत कार्रवाई करते हुए चारों सिपाहियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। घटना के बाद चारों सिपाहियों को निलंबित कर उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया था। पुलिस के अनुसार, उनका स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाया गया। इसके बाद अपर पुलिस अधीक्षक (साइबर क्राइम) प्रीतीश कुमार को जांच पदाधिकारी तथा पु.अ.नि. सौरभ कुमार आजाद को प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी नियुक्त किया गया। विभागीय जांच में उपलब्ध साक्ष्यों, बयानों और अभिलेखों के परीक्षण के बाद चारों सिपाहियों को कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही, भ्रष्टाचार और मनमाने आचरण का दोषी पाया गया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अनुसार, चारों का आचरण पुलिस विभाग की छवि को नुकसान पहुंचाने वाला था। इसी आधार पर बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली-1976, बिहार पुलिस एक्ट-2007, बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 और पुलिस हस्तक नियम-824 के तहत कार्रवाई करते हुए चारों सिपाहियों को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

सूखा नशे के खिलाफ कार्रवाई, 80 ग्राम गांजा जैसा पदार्थ बरामद; दो गिरफ्तार

नार्को डॉग 'हनी' की मदद से पिपरा पुलिस ने दो दुकानों में की छापेमारी

बीएनएम@ मोतिहारी। सूखा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पिपरा थाना पुलिस ने स्वान दस्ता टीम के साथ कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग जगहों से गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद किया है। पुलिस ने दोनों मामलों में दो कथित कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। बरामद मादक पदार्थ का कुल वजन करीब 80 ग्राम बताया गया है। पुलिस के अनुसार, नार्को डॉग 'हनी' की मदद से चिंतामणपुर बाबू टोला स्थित एक दुकान में छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान दुकान से 34 ग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद हुआ। मामले में पुलिस ने दुकान संचालक ऊषा देवी, पति कृष्णनंदन पाठक, निवासी चिंतामणपुर बाबू टोला को गिरफ्तार किया। इसके बाद पुलिस टीम ने सिरसिया लखनी टोला स्थित एक अन्य दुकान में छापेमारी की। वहां से 46 ग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद किया गया। पुलिस ने मौके से कारोबारी मोहन सिंह, पिता स्व. रामलगन सिंह, निवासी सिरसिया लखनी टोला, थाना पिपरा, जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। बरामद पदार्थ की प्रकृति की पुष्टि के लिए आवश्यक प्रक्रिया भी की जा रही है।

नौकरी दिलाने के नाम पर 25 लाख की ठगी, गिरोह का एक सदस्य गिरफ्तार

फर्जी नियुक्ति पत्र, सर्विस बुक और आईकार्ड बरामद; चिरैया से दबोचा गया आरोपित

बीएनएम@ मोतिहारी। नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से करीब 25 लाख रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को छतौनी थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के पास से फर्जी नियुक्ति पत्र, सर्विस बुक और आईकार्ड की सत्यापित प्रतियां बरामद की हैं। गिरफ्तार आरोपित की पहचान चिरैया थाना क्षेत्र के माधोपुर गांव निवासी स्व. शेख शमसुल हक के पुत्र मो. असदुल्लाह के रूप में हुई है। मामले को लेकर छतौनी थाना क्षेत्र के खुदानगर निवासी शबनम खातून, पति मो. अख्तर अंसारी ने 14 सितंबर को पुलिस को लिखित आवेदन दिया था। इसके आधार पर छतौनी थाना कांड संख्या 495/26 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। आवेदन के अनुसार, आरोपितों ने नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से करीब 25 लाख रुपये की ठगी की थी। विश्वास में लेने के लिए गिरोह के सदस्यों ने फर्जी नियुक्ति पत्र, सर्विस बुक और आईकार्ड की सत्यापित प्रतियां भी उपलब्ध कराई थीं। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मो. असदुल्लाह ठगी के इस मामले में मास्टरमाइंड का मुख्य सहयोगी है और छतौनी थाना क्षेत्र में रह रहा था। इसके बाद पुलिस टीम ने छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ और जांच में सामने आया है कि गिरोह के सदस्यों ने सुनियोजित तरीके से नौकरी दिलाने का झांसा देकर कई लोगों से रुपये ऐंठे हैं। ठगी के शिकार लोगों में पश्चिम चंपारण और बेतिया के निवासी भी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि मामले में शामिल अन्य आरोपितों की पहचान और उनकी भूमिका की जांच की जा रही है। गिरोह के नेटवर्क और ठगी के शिकार अन्य लोगों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है। छापेमारी टीम में छतौनी थानाध्यक्ष पुअनि अमित कुमार सिंह, फेनहारा थानाध्यक्ष पुअनि रजनीश कुमार, अपर थानाध्यक्ष पुअनि अभिनव राज, पुअनि मिथिलेश राम, पुअनि अंकुल कुमार सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

रौशनदान के रास्ते शोरूम में घुसे चोर, पांच लाख की संपत्ति उड़ाई

सीढ़ी और रस्सी के सहारे अंदर दाखिल हुए बदमाश, बैट्री, लैपटॉप समेत स्पेयर पार्ट्स ले गए

बीएनएम@ तुरकौलिया। कवलपुर चौक के समीप स्थित कुमाकी, मिनी मेट्रो और आकाश बैट्री के शोरूम में चोरों ने सेंधमारी कर नकदी समेत करीब पांच लाख रुपये की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। चोर सीढ़ी और रस्सी के सहारे बाथरूम के ऊपर पहुंचे और रौशनदान के रास्ते शोरूम में दाखिल होकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। घटना की जानकारी बुधवार सुबह शोरूम खुलने के बाद हुई। बंजरिया चैलाहा टाल निवासी शोरूम मालिक मोहम्मद मैनुल्लाह ने तुरकौलिया थाना में आवेदन देकर मामले की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि कवलपुर मस्जिद के समीप उनका कुमाकी, मिनी मेट्रो और आकाश बैट्री का शोरूम है। 15 सितंबर की रात करीब आठ बजे रोजाना की तरह शोरूम बंद कर वह घर चले गए। अगले दिन 16 सितंबर की सुबह स्टाफ प्रभात कुमार ने दुकान खोली तो अंदर सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा था। उसने तत्काल मालिक को सूचना दी। सूचना मिलने पर मैनुल्लाह शोरूम पहुंचे तो बाथरूम के ऊपर रस्सी और नीचे बांस लटका मिला। दुकान के बाहर सीढ़ी भी पड़ी थी। रौशनदान से भी रस्सी लटक रही थी। इससे आशंका जताई जा रही है कि चोर सीढ़ी के सहारे ऊपर पहुंचे और रस्सी के माध्यम से रौशनदान तक जाकर अंदर दाखिल हुए। मालिक के अनुसार, चोर शोरूम से करीब 10 पीस बैट्री, एक लैपटॉप, 16 चैनल वाला हार्ड डिस्क, वाई-फाई सेट, टायर, मोटर, कंट्रोलर और विभिन्न स्पेयर पार्ट्स समेत करीब पांच लाख रुपये की संपत्ति ले गए। शोरूम में रखा करीब चार-पांच हजार रुपये नकद भी चोर अपने साथ ले गए। थाना में दिए गए आवेदन के आधार पर पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के साथ ही चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

जमला रोड व मठिया जिरात के नालों का निर्माण जल्द पूरा कराने का निर्देश

जल निकासी की समस्या के स्थायी समाधान को लेकर महापौर ने किया निरीक्षण, बलभद्र पूजा को लेकर विशेष सफाई व्यवस्था के निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

नगर निगम की महापौर प्रीति कुमारी ने बुधवार को जमला रोड में निर्माणाधीन मुख्य नाला का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर आयुक्त आशीष कुमार एवं निगम पार्षद प्रतिनिधि अजय सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान एनएच-28 से जमला रोड होते हुए धर्म समाज चौक तक जल निकासी की समस्या की जानकारी ली गई। महापौर ने निगम के स्वच्छता पदाधिकारियों को तत्काल अस्थायी जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्माणाधीन नाला का कार्य शीघ्र पूरा कराने तथा क्षेत्र में जलजमाव की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने को कहा। इसके बाद मठिया जीरात मुख्य नाला निर्माण कार्य की भी समीक्षा की गई। धर्म समाज चौक से मधुबन छावनी चौक तक चल रहे निर्माण कार्य को जल्द पूरा कराने के लिए संबंधित संवेदक को आवश्यक निर्देश दिए गए। महापौर ने कहा कि जमला रोड और मठिया जीरात के दोनों मुख्य नालों का निर्माण पूरा होने से करीब आधा दर्जन वार्डों में जल निकासी की समस्या के स्थायी समाधान में मदद मिलेगी। उन्होंने निर्माण कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता का ध्यान रखने पर भी जोर दिया। वहीं, अगले सप्ताह होने वाले बलभद्र पूजा कार्यक्रम को देखते हुए नगर निगम क्षेत्र में विशेष सफाई एवं जल निकासी व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया है। महापौर ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को पूजा स्थलों और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई तथा जल निकासी से जुड़ी तैयारियां समय पर पूरी करने का निर्देश दिया। महापौर श्रीमती कुमारी ने कहा कि नगर निगम शहरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम कर रहा है। सफाई और जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाना निगम की प्राथमिकताओं में शामिल है।

अनंत चतुर्दशी को लेकर डीएम ने बेलवा घाट जलभराव स्थल का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था के दिए निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा सोमेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक करते हैं। श्रद्धालुओं द्वारा जलाभिषेक के लिए पताही अंचल के बेलवा घाट से जल भरा जाता है। इसे देखते हुए जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने बुधवार को बेलवा घाट जलभराव स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उक्त निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी के साथ अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा, सहायक समाहर्ता राजकृष्ण झा तथा पकड़ीदयाल एवं ढाका के अनुमंडल पदाधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी श्री यादव ने संबंधित अनुमंडल पदाधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने जलभराव स्थल पर प्रॉपर बैरिकेडिंग, बोट के साथ एनडीआरएफ टीम की प्रतिनियुक्ति, विभिन्न स्थानों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं दंडाधिकारी की तैनाती करने को कहा। इसके अलावा बेलघाट के आसपास मेडिकल टीम की प्रतिनियुक्ति करने का भी निर्देश दिया गया, ताकि आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को तत्काल चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई जा सके। निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी सहित अन्य प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

तेतरिया में विशेष धावा, दो बाल श्रमिक विमुक्त

दो प्रतिष्ठानों में चला सघन जांच अभियान, नियोजकों पर प्राथमिकी की कार्रवाई

बीएनएम@ मोतिहारी

श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग, बिहार के निर्देश पर बुधवार को जिला के तेतरिया प्रखंड क्षेत्र में बाल श्रम के खिलाफ विशेष धावा दल ने सघन जांच अभियान चलाया। श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, तेतरिया के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान दो प्रतिष्ठानों से दो बाल श्रमिकों को विमुक्त कराया गया। जांच के दौरान पप्पू ऑटो स्पेयर और अशोक ठाकुर साइकिल दुकान, तेतरिया से एक-एक बाल श्रमिक को मुक्त कराया गया। विमुक्त किए गए दोनों बच्चों को बाल कल्याण समिति, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें बाल गृह में रखा गया है। श्रम अधीक्षक सत्या प्रकाश ने बताया कि बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के तहत बाल श्रमिकों से काम कराने वाले नियोजकों के विरुद्ध संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि पूर्वी चंपारण जिले में बाल श्रम के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि कानून के तहत बाल श्रमिकों से काम कराने वालों पर 20 हजार से 50 हजार रुपये तक जुर्माना तथा दो वर्ष तक के कारावास का प्रावधान है। इसके अलावा सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के आलोक में प्रत्येक बाल श्रमिक के नियोजन के लिए नियोजक से 20 हजार रुपये की राशि की वसूली भी की जाएगी। धावा दल में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, तेतरिया एवं चकिया के अलावा डंकन हॉस्पिटल, रक्सौल के प्रतिनिधि, प्रयास संस्था एवं ग्राम नियोजन केंद्र के प्रतिनिधि शामिल थे। अभियान के दौरान तेतरिया थाना के पांच पुलिसकर्मी तथा एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की टीम ने भी सहयोग किया।

बीपीआरओ का काली पट्टी बांधकर तीसरे दिन भी सांकेतिक विरोध, कामकाज रहा सुचारू

बीएनएम@ मोतिहारी

बिहार पंचायत सेवा संघ के आह्वान पर अपनी लंबित मांगों के समर्थन में रामगढ़वा प्रखंड में चल रहा सांकेतिक विरोध-प्रदर्शन बुधवार को लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। इस दौरान प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी (बीपीआरओ) इंद्रजीत दास ने काली पट्टी बांधकर विभागीय मांगों के प्रति अपना सांकेतिक विरोध दर्ज कराया। संघ के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यह सांकेतिक विरोध 21 सितंबर तक जारी रहेगा। संघ ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित अवधि तक उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं की गई, तो राज्यभर के सभी प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का निर्णय ले सकते हैं। हालांकि, विरोध-प्रदर्शन के बावजूद रामगढ़वा प्रखंड कार्यालय में सरकारी कामकाज पर इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा। बीपीआरओ इंद्रजीत दास ने कार्यालय में उपस्थित रहकर जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा उनके समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की। इस दौरान प्रखंड कार्यालय के सभी सरकारी कार्य निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप सुचारू रूप से संचालित होते रहे। बिहार पंचायत सेवा संघ की प्रमुख मांगों में बीपीआरओ पद को राजपत्रित पद घोषित करना, वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकार प्रदान करना तथा पंचायत समिति के कार्यपालक पदाधिकारी का दायित्व पुनः बीपीआरओ को सौंपना शामिल है। संघ का कहना है कि इन मांगों के पूरा होने से पंचायती राज व्यवस्था के प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्यों के संचालन में अधिक स्पष्टता और प्रभावशीलता आएगी। वहीं, सांकेतिक विरोध के दौरान भी पदाधिकारियों द्वारा कार्यालयीन कार्यों का नियमित रूप से निष्पादन किया जाना इस बात को दर्शाता है कि विरोध के साथ-साथ आम जनता से जुड़े दायित्वों को भी प्राथमिकता दी जा रही है।

किशनगंज लूटकांड का चकिया पुलिस ने किया खुलासा, 97 टीना रिफाइंड तेल बरामद सहित दो गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। चकिया थाना पुलिस ने किशनगंज जिले में हुए लूटकांड का उद्भेदन करते हुए लूटे गए 97 टीना रिफाइंड तेल बरामद किए हैं। मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। बरामद सामान और गिरफ्तार दोनों आरोपितों को आगे की कार्रवाई के लिए किशनगंज जिले के बहादुरपुर थाना पुलिस को सौंप दिया गया है। पुलिस के अनुसार, 8 सितंबर 2026 को किशनगंज जिले के बहादुरगंज थाना क्षेत्र में एक ट्रक से करीब 1500 टीना रिफाइंड तेल को अज्ञात छह अपराधियों द्वारा लूट लिया गया था। मामले को लेकर बहादुरपुर थाना में कांड संख्या 568/26 दर्ज की गई थी। प्राथमिकी BNS की धारा 310(2)/311 के तहत दर्ज की गई थी। कांड के उद्भेदन के लिए चकिया थाना पुलिस ने सूचना संकलन और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर कार्रवाई शुरू की। इसी क्रम में 15 सितंबर 2026 को चकिया बाजार क्षेत्र में छापेमारी कर लूटे गए 97 टीना रिफाइंड तेल को बरामद किया गया। मामले में पुलिस ने संजय मखरिया, पिता शिवनंदन प्रसाद मखरिया, निवासी चकिया बाजार केसरीया रोड, थाना चकिया तथा दीपक सुल्तानिया, पिता श्यामसुंदर सुल्तानिया, निवासी चकिया बाजार केसरीया रोड, थाना चकिया को गिरफ्तार किया। कार्रवाई में चकिया के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संतोष कुमार, चकिया थानाध्यक्ष पु.नि. धर्मप्रकाश कुमार, पु.अ.नि. धनंजय कुमार, पु.अ.नि. विवेक कुमार, पु.अ.नि. पप्पू कुमार यादव और पु.अ.नि. मौसम कुमार सहित सशस्त्र बल की टीम शामिल रही। पुलिस के मुताबिक, तकनीकी अनुसंधान और सूचना संकलन के आधार पर लगातार कार्रवाई करते हुए लूटे गए सामान तक पहुंच बनाई गई। बरामद 97 टीना रिफाइंड तेल और दोनों गिरफ्तार आरोपितों को किशनगंज जिले के बहादुरपुर थाना पुलिस को अग्रिम कार्रवाई के लिए सौंप दिया गया है।

खाद की कालाबाजारी पर किसान सभा सख्त, आंदोलन की चेतावनी

बीएनएम@ रामगढ़वा

प्रखंड क्षेत्र में निर्धारित मूल्य पर यूरिया और अन्य खाद उपलब्ध नहीं होने से किसानों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। किसानों की समस्या को लेकर किसान सभा ने खाद की कथित कालाबाजारी और मुनाफाखोरी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। किसान सभा के जिलाध्यक्ष मनोज सिंह राणा ने कहा कि सरकार ने यूरिया की कीमत 266 रुपये प्रति बोरी निर्धारित की है, लेकिन रामगढ़वा में किसानों को निर्धारित दर पर यूरिया उपलब्ध नहीं हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कालाबाजारी और मुनाफाखोरी के कारण किसानों को तय कीमत से अधिक राशि चुकानी पड़ रही है। इससे खेती-किसानी पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। राणा ने कहा कि किसानों को शीघ्र ही निर्धारित मूल्य पर पर्याप्त मात्रा में खाद और यूरिया उपलब्ध नहीं कराया गया तो किसान सभा के नेतृत्व में बड़ा जन आंदोलन शुरू किया जाएगा।

उन्होंने कहा, "अन्नदाताओं का शोषण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन को अविलंब खाद की कालाबाजारी पर रोक लगाते हुए किसानों को निर्धारित दर पर खाद उपलब्ध करानी होगी।"

दोहरे हत्याकांड में पीड़ित परिवारों से मिले जदयू एमएलसी डॉ. खालिद अनवर, न्याय का दिलाया भरोसा

बीएनएम@ पताही

थाना क्षेत्र के जिहुली पंचायत अंतर्गत जमुनी टोला में हुए मरीना खातून और जमी अख्तर के दोहरे हत्याकांड के बाद राजनीतिक एवं सामाजिक स्तर पर पीड़ित परिवारों से मिलने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में जदयू के विधान पार्षद (एमएलसी) डॉ. खालिद अनवर ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा दिया। मुलाकात के दौरान एमएलसी डॉ. खालिद अनवर ने घटना को लेकर अपनी बात रखते हुए कहा कि कुछ लोग इस मामले को जाति विशेष से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, जो उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि यह किसी जाति विशेष का झगड़ा नहीं है, बल्कि दो लोगों के बीच आपसी विवाद का मामला है। ऐसे मामलों को जातीय रंग नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने पीड़ित परिवारों को भरोसा दिलाया कि घटना में न्याय सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए। साथ ही, उन्होंने मामले को आपसी विवाद के रूप में देखने और इसे जातिगत विवाद का रूप नहीं देने की बात कही। कहा कि किसी भी आपराधिक घटना को जाति विशेष से जोड़कर देखने के बजाय वास्तविक घटना और उसके तथ्यों के आधार पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए न्याय की प्रक्रिया में भरोसा बनाए रखने का संदेश दिया। गौरतलब है कि जिहुली के जमुनी टोला में आपसी विवाद के दौरान मरीना खातून और जमी अख्तर की मौत हो गई थी। घटना के बाद पुलिस की ओर से आरोपितों की गिरफ्तारी और फरार आरोपितों की तलाश को लेकर कार्रवाई की जा रही है। पीड़ित परिवारों से राजनीतिक नेताओं और जनप्रतिनिधियों की मुलाकात के बीच मामले में निष्पक्ष कार्रवाई और न्याय की मांग लगातार उठ रही है।

मोतिहारी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन लाख रुपये गबन के आरोप में चार सिपाही बर्खास्त

छापेमारी में बरामद रकम में हेराफेरी का आरोप, विभागीय जांच में दोषी पाए जाने पर सेवा से किया गया निष्कासित

बीएनएम@ मोतिहारी

भ्रष्टाचार के खिलाफ मोतिहारी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार सिपाहियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। मामला गोविंदगंज थाना क्षेत्र में जालसाजी व ठगी के एक मामले में छापेमारी के दौरान बरामद रकम में हेराफेरी से जुड़ा है। विभागीय जांच में चारों सिपाहियों को कर्तव्य के प्रति लापरवाही और मनमानेपन का दोषी पाया गया। इसके बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से पुलिस सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, गोविंदगंज थाना क्षेत्र के रुदिया गांव निवासी अमरेश पांडेय के घर पर जौनपुर, उत्तर प्रदेश के मोहनीगंज निवासी सात-नौ आरोपितों ने 19 लाख रुपये, दो मोबाइल और एक सोने की चेन की ठगी की थी। इस संबंध में गोविंदगंज थाना कांड संख्या 280/2025 दर्ज किया गया था। मामले में छापेमारी के लिए वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर टीम गठित की गई। 21 नवंबर 2025 की रात प्राथमिकी अभियुक्त चंदन सिंह के घर पर छापेमारी की गई। पुलिस टीम ने वहां से 4.15 लाख रुपये नकद, 10 सोने जैसे बिस्किट और एक सोने जैसी चेन बरामद की। इसी दौरान छापेमारी दल में शामिल सिपाही 940 संतोष कुमार, सिपाही 672 गौतम कुमार यादव, सिपाही 633 कृष्ण कुमार एवं सिपाही 14 ओमप्रकाश ने कथित तौर पर बरामद रकम में से तीन लाख रुपये निकालकर आपस में रख लिए। मामले की जानकारी मिलने के बाद बरामद रकम की जांच की गई और चारों सिपाहियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू हुई। बरामद तीन लाख रुपये की विधिवत जब्ती सूची तैयार कर साहेबगंज थाना, मुजफ्फरपुर में कांड संख्या 691/2025 दर्ज किया गया। मामले में बीएनएस की धारा 303(2)/317(2) के तहत कार्रवाई की गई और चारों सिपाहियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

विभागीय जांच में भी दोषी मिले- घटना की गंभीरता को देखते हुए चारों सिपाहियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा की गई। पुलिस मुख्यालय के स्तर से साइबर क्राइम, पूर्वी चंपारण के अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रवीण कुमार को जांच प्राधिकारी तथा साइबर थाना के पुअनि सोरम कुमार आजाद को प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी नियुक्त किया गया।

विभागीय जांच के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों और अभिलेखों का परीक्षण किया गया। जांच प्रतिवेदन में चारों सिपाहियों को कर्तव्य के प्रति लापरवाही और मनमानेपन के लिए पूर्णतः दोषी पाया गया। पुलिस के अनुसार, उनके आचरण से पुलिस की छवि धूमिल हुई तथा बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली-1976 और बिहार पुलिस एक्ट-2007 के प्रावधानों का उल्लंघन हुआ। इसके बाद बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 के नियम-14(xi) तथा पुलिस हस्तक नियम-824 में निहित प्रावधानों के तहत सिपाही 940 संतोष कुमार, सिपाही 672 गौतम कुमार यादव, सिपाही 633 कृष्ण कुमार और सिपाही 14 ओमप्रकाश को तत्काल प्रभाव से पुलिस सेवा से बर्खास्त कर दिया गया।

प्राकृतिक तकाजों को नजरअंदाज

नेपाल की त्रासदी का संदेश है कि प्राकृतिक तकाजों को नजरअंदाज करने का समय बीत चुका है। विकास के नाम पर पर्यावरणीय सुरक्षा की बलि देना जारी रहा, तो ऐसी घटनाओं से बचना संभव नहीं रह जाएगा। ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण ग्लेशियर पिघल रहे हैं, यह चर्चा दशकों पुरानी हो चुकी है। इसके क्या घातक परिणाम होंगे, इसको लेकर वैज्ञानिक चेतावनियां भी आम चर्चा में रही हैं। कई दिन की जांच-पड़ताल के बाद अब यह साफ है कि नेपाल में 26 अगस्त को जो हुआ, वह उन चेतावनियों का ही साकार रूप लेना था। इसीलिए उस रोज हुई ग्लेशियर टूटने की घटना को महज प्राकृतिक आपदा के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। स्पष्टतः यह हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र पर जलवायु परिवर्तन के हुए प्रभाव का परिणाम है। इसलिए यह एक गंभीर चेतावनी है। इसे ध्यान में रखना चाहिए कि ग्लेशियल झील के फटने से आने वाली बाढ़ जैसी त्रासदियां अनहोनी का हो जाना भर नहीं हैं। बल्कि ये इनसान की अ-दूरदर्शिता का सीधा परिणाम हैं। 26 अगस्त को नेपाल-चीन सीमा के पास लांगटांग लिरुंग क्षेत्र में एक विशाल ग्लेशियर अचानक खिसक गया। यह घटना लगभग 5,200 मीटर की ऊंचाई पर हुई। ग्लेशियर टूट कर लगभग 1,200 मीटर नीचे स्थित घाटी में गिरा। उसके प्रभाव से तीव्र घर्षण पैदा हुआ और अत्यधिक बर्फ पिघलकर गारे और चट्टानों के साथ बह निकली। यह घटना बताती है कि उच्च हिमालयी क्षेत्रों में हर पल मॉनिटरिंग और उपग्रह आधारित निगरानी की कितनी कमी है। समय पर हिमनद झील के बढ़ते जलस्तर का आकलन कर निचले इलाकों के लिए चेतावनी जारी कर दी जाती, तो जान-माल के नुकसान को सीमित किया जा सकता था। यह भी गौरतलब है कि हिमालय जैसे पारिस्थिकीय नजरिए से नाजुक क्षेत्र में बिना ठोस पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन किए पनबिजली परियोजनाओं, सड़कों, और सुरंगों का अंधाधुंध निर्माण किया जा रहा है। इससे ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने का जोखिम कई गुना बढ़ा है। उधर बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण हिमनद तेजी से पिघलकर खतरनाक झीलों का रूप ले रहे हैं। कुल मिलाकर इस त्रासदी का संदेश है कि प्रकृति के तकाजों को नजरअंदाज करने का समय बीत चुका है। विकास के नाम पर पर्यावरणीय सुरक्षा की बलि देना और जलवायु परिवर्तन संबंधी चेतावनियों को नजरअंदाज करना जारी रहा, तो ऐसी घटनाओं से बचना अब संभव नहीं रह गया है।

राजीव से राहुल तक का सफर भी कम गौरतलब नहीं

हरिशंकर व्यास

ढेरों प्रमाण हैं। तारीखों और घटनाओं का वह अंतहीन सिलसिला है जिससे मेरा निष्कर्ष है कि भारत के कम्युनिस्टों ने न केवल देश का समय बिगाड़ा। खुद के अवसर भी गंवाए। लेफ्ट के खाते में राजनीतिक बरबादियां लगातार दर्ज कराईं। बावजूद इसके मेरे मन में कम्युनिस्ट नेताओं के चाल, चेहरे और चरित्र की कसौटी में सम्मान है। खासकर आज सत्ता में संघ-भाजपाइयों के चाल, चेहरे और चरित्र को देखते हुए तो और भी अधिक। उस नाते ई. एम. एस. नंबूदरीपाद, ज्योति बसु, इंद्रजीत गुप्त से माणिक सरकार, पिनराई विजयन और वाम संगठनों के प्रकाश करात, सीताराम येचुरी, दीपांकर भट्टाचार्य तक—इन लोगों की निजी सादगी, सहजता और वैचारिक प्रतिबद्धता का जितना सम्मान किया जाए, कम है।

कांग्रेस (राहुल) की दीमक है लेफ्ट-2

मगर व्यक्ति की ईमानदारी से विचार और उसके परिणाम सही साबित नहीं होते। भारतीय कम्युनिस्टों का विरोधाभास यही है। निजी जीवन में जितने सादे और प्रतिबद्ध, भारत को पढ़ने में उतनी ही बार गड़बड़। स्वतंत्रता के बाद कम्युनिस्टों ने आजादी को अधूरा माना। कांग्रेस को बुर्जुआ सत्ता कहा। नेहरू को कभी वर्ग-शत्रु की राजनीति में पढ़ा और कभी उन्हीं के आसपास घेरेबंदी से उन पर वैचारिक प्रभाव बनाया। नेहरू के आखिरी सालों में कृष्ण मेनन और चीन से भारत की हार का ठीकरा भी फूटा। चीन के सवाल पर ही कम्युनिस्ट विभाजित हुए। दो पार्टियां बनीं। इंदिरा गांधी के दौर में सीपीआई उनके साथ थी। उसका आपातकाल को समर्थन रहा। फिर जनता पार्टी, वी. पी. सिंह, संयुक्त मोर्चा और यूपीए—दिल्ली में सत्ता के गठजोड़ बने तब भी वामपंथी चेहरों, पार्टियों का सरकारों, राष्ट्रीय नैरेटिव और मीडिया में हल्ला रहा।

लेकिन एक बात, एक वास्तविकता हमेशा कायम रही। केंद्र सरकार की सत्ता के आसपास विचार, बौद्धिकता और विमर्श की दुनिया में वाम की हैसियत उसकी असल जन हैसियत, पाए गए लेफ्ट वोटों से अक्सर कई गुना बड़ी रही।

सोचें, कृष्ण मेनन के प्रभाव और 1962 के अनुभव यानी लेफ्ट से नेहरू ने क्या पाया? कांग्रेस के 1969 के विभाजन के बाद वाम समर्थन और वाम-प्रगतिशील बौद्धिक प्रभाव की ओर बढ़ीं इंदिरा गांधी अंततः कहां पहुंचीं? बैंक राष्ट्रीयकरण, प्रिवी पर्स, गरीबी हटाओ, सरकारी उद्योगों-उद्यमों, लाइसेंस-कोटा से कांग्रेस और भारत ने क्या पाया? लगातार फैलते सरकारी दायरे में उलटे कांग्रेस अपनी पुरानी मध्यमार्गी अर्थनीति से लेफ्ट की ओर खिसकती गई। तात्कालिक फायदे की राजनीति में भले इंदिरा को गरीबों की मसीहा की इमेज मिली। कांग्रेस का नया सामाजिक आधार बना। मगर उसी के साथ सरकार अर्थव्यवस्था और नागरिक जीवन की सर्वशक्तिमान माई-बाप बनती गई।

ऐसे ही इंदिरा गांधी के समय विश्वविद्यालयों, इतिहास, संस्कृति, अकादमिक संस्थानों, मीडिया और दिल्ली के नीति-विमर्श में लेफ्ट का नया प्रगतिशील प्रतिष्ठान बना। सही है, उसमें बैठे सभी लोग कम्युनिस्ट नहीं थे। लेकिन आधुनिक, वैज्ञानिक और प्रगतिशील कहलाने की खास भाषा जरूर सभी चेहरों-मठाधीशों—शिक्षा मंत्री, उपकुलपतियों, कला-साहित्य-संस्कृति आदि क्षेत्रों में—की थी।

उस भाषा, उस सोच में धर्म को सार्वजनिक जीवन में लेकर चलने वाला हिंदू आसानी से रूढ़िवादी करार दिया जाता। जबकि धार्मिक अल्पसंख्यक की सामुदायिक पहचान की रक्षा सेकुलर राज्य का दायित्व। जाति पर बात करना प्रगतिशीलता, वहीं सनातनी धर्म और सभ्यता पर बात करते हुए सफाई देती हुई झिझक। इसलिए 'लेफ्टÓ का अर्थ, उसके जुगालीबाजों का दायरा बहुत विस्तृत रहा है। बात केवल सीपीआई, सीपीएम या सीपीआई-एमएल का पार्टी कार्ड रखने वालों की ही नहीं है। समाजवादी कम्युनिस्ट नहीं थे। लोहियावादी और मार्क्सवादी एक नहीं थे। आंबेडकरवादी भी कम्युनिस्ट नहीं। एनजीओ एक्टिविस्ट और अधिकारवादी नागरिक समाज को भी कम्युनिस्ट कहना गलत होगा। इन सबके आपसी झगड़े और वैचारिक फर्क गहरे हैं। लेकिन समय के साथ लुटियंस दिल्ली में इन धाराओं के मेल से एक व्यापक वाम-प्रगतिशील सत्ता-बौद्धिक मानस की दबंगी बनी। समाज को वर्ग, जाति, लिंग, अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक और उत्पीड़क-उत्पीड़ित के खांचों से देखने की प्रवृत्ति पूरे देश में पसरती गई। यही मेरे 'लेफ्टÓ के आशय का व्यापक वैचारिक खमीर है। मगर कमाल या त्रासदी देखिए। लेफ्ट का रौब, हल्ला जैसे-जैसे बढ़ा, वैसे-वैसे कम्युनिस्टों, वामपंथियों, समाजवादियों की चुनावी और वैचारिक हैसियत जीरो होती गई। वोट में सिकुड़ते गए, लेकिन उनकी बनाई भाषा, जुमलों के फतवे बढ़ते गए। एक वक्त था जब संसद में दर्जनों सांसद थे। संसद में कांग्रेस के बाद सीपीआई नंबर दो की पार्टी! बंगाल, केरल, त्रिपुरा में सरकारें। ट्रेड यूनियनों में दबदबा। विश्वविद्यालयों में प्रभाव। संगठित कम्युनिस्ट आंदोलन कभी राष्ट्रीय राजनीति की बड़ी शक्ति था। पश्चिम बंगाल में चौंतीस साल सरकार थी। पर आज वहां नामलेवा नहीं है। ऐसी ही त्रिपुरा की दशा हुई। लोकसभा में सीटें और वोट सिकुड़ते गए। आज राजनीति में वाम हाशिये से भी बाहर है!

मगर उससे निकली व्यापक प्रगतिशील शब्दावली, विमर्श के शब्द गैर-भाजपाई राजनीति की मुख्य धारा हुए। जैसे सामाजिक न्याय, हिस्सेदारी, प्रतिनिधित्व, अल्पसंख्यक अधिकार, बहुसंख्यकवाद, पितृसत्ता, उत्पीड़क-उत्पीड़ित। यानी वोट में हार, शब्दों की जुगाली से राष्ट्रीय मीडिया की पहचान! मेरा मानना है कि सीपीआईएम, कम्युनिस्टों की सबसे बड़ी राजनीतिक सफलता पश्चिम बंगाल पर चौंतीस साल राज या केरल में सरकारें बनाने की नहीं है। उससे बड़ी सफलता अपने वोट से कई गुना बड़ा दिल्ली में वैचारिक प्रभाव पैदा करना था। विश्वविद्यालय से मीडिया तक। संस्कृति से इतिहास तक। सरकार की सलाहकारी दुनिया से कांग्रेस की राजनीतिक भाषा तक। चुनाव वे हारते गए, लेकिन भारत को देखने का उनका चश्मा अलग-अलग रूपों में कांग्रेस और गैर-भाजपाई दलों में पुख्ता होता गया। मेरा खांटी कांग्रेसियों—वसंतदादा पाटिल, ए. आर. अंतुले, माखनलाल फोतेदार, आर. के. धवन, कमलापति त्रिपाठी से अहमद पटेल, अंबिका सोनी, सतीश शर्मा तक के जरिए कांग्रेस में विचार, सत्ता और संगठन चलाने वाले घेरे से गहरा जानने-समझने का रिश्ता रहा है। उसी तरह राष्ट्रीय राजनीति के सतरंगी विचारों और चेहरों की असलियत मैंने शरद यादव, लालू यादव, गोपी अरोड़ा, मणिशंकर अय्यर, सीताराम येचुरी जैसे लोगों से हुई गपशप में भी जानी है। इसलिए मेरे लिए दिल्ली केवल सरकारों और फाइलों का इतिहास नहीं है। वह उन लोगों, बैठकों, सलाहों और विचारों का भी इतिहास है जिनसे सत्ता का मन बनता था, बना होता था, बिगड़ता था। उसी अनुभव से मेरा निष्कर्ष है—मोरारजी देसाई आए, चरण सिंह आए, चंद्रशेखर आए, देवगौड़ा और गुजराल आए, नरसिंह राव आए, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह आए। सरकारें बदलती रहीं। गठबंधन बदलते रहे। चेहरे, पार्टियां और नारे बदले। लेकिन दिल्ली के सत्ता-बौद्धिक संसार में कम्युनिस्ट-समाजवादी विचार, प्रगतिशील जमात और राष्ट्रीय मीडिया में उसकी गूंज स्थायी खमीर की तरह बनी रही। आटा किसी का रहा हो, खमीर लेफ्ट ही रहा। जनता पार्टी आई तो आटा-परात बदली। वी. पी. सिंह आए तो फिर बदला। संयुक्त मोर्चा आया तो प्रधानमंत्री तक बदलते रहे। नरसिंह राव ने अर्थव्यवस्था की दिशा बदल दी। 1991 के बाद बाजार खुला, निजी पूंजी का दायरा बढ़ा, लाइसेंस-परमिट राज टूटना शुरू हुआ। बावजूद इसके आर्थिक नीति बदलने का अर्थ यह नहीं था कि दिल्ली का सामाजिक-सांस्कृतिक शब्दकोश भी उसी गति से बदला हो। फिर अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार आई। पहली बार दिल्ली में दूसरा वैचारिक परिवार पूरी तरह सत्ता में बैठा। मगर सरकार बदलने से विश्वविद्यालय, मीडिया, संस्कृति और बौद्धिक प्रतिष्ठान रातोंरात नहीं बदलते हैं! सत्ता भाजपा की थी, लेकिन दिल्ली की स्थापित बौद्धिक भाषा का बड़ा हिस्सा पुराना बना रहा।

फिर मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार आई और कहानी ने लगभग पूरा चक्र पूरा किया। वामपंथ स्वयं सरकार में शामिल हुए बिना सरकार के अस्तित्व का महत्वपूर्ण खंभा था। दूसरी तरफ सोनिया गांधी की राष्ट्रीय सलाहकार परिषद—एनएसी—ने अधिकार-आधारित राजनीति को नया संस्थागत रूप दिया। नतीजा था—रोजगार का अधिकार। सूचना का अधिकार। भोजन का अधिकार। वन अधिकार आदि, आदि। इनमें कई अधिकार अपने आप में जरूरी, न्यायसंगत और ऐतिहासिक बनते हैं। भला गरीब को रोजगार की सुरक्षा क्यों न मिले? नागरिक को सूचना क्यों न मिले? भूखे को भोजन क्यों न मिले? आदिवासी के वन अधिकार क्यों न हों? मेरा प्रश्न इन अधिकारों की जरूरत से नहीं है। बल्कि सवाल उस राजनीति का है जिसमें धीरे-धीरे नागरिक और सरकार का पूरा रिश्ता 'मुझे राज्य से क्या मिलेगाÓ में सिमटता है और नागरिक भीड़ में कनवर्ट हो कतार में लगा भिखारी होता है। वोट और राजनीति लेने-देने का सौदा, मंडी बनती है। नेहरू के समाजवादी राज्य ने सरकार को उत्पादक और माई-बाप बनाया था। इंदिरा गांधी ने 'गरीबी हटाओÓ में गरीब को सीधे सत्ता की वोट राजनीति से जोड़ा। मंडल के बाद राज्य अवसर और हिस्सेदारी बांटने वाला हुआ। वही सोनिया गांधी के एनएसी के दौर में अधिकार राजनीति की केंद्रीय नैतिक भाषा बना। फिर नरेंद्र मोदी आए। और यहीं इतिहास का सबसे मजेदार उलटफेर है। जिस भाजपा ने दशकों कांग्रेस के समाजवाद, सेकुलरवाद और वोट बैंक की राजनीति को कोसा, उसने सत्ता में आकर माई-बाप राज्य को खत्म नहीं किया। उसने उसे तकनीक, आधार, बैंक खाते, मोबाइल और सीधे हस्तांतरण की क्षमता देकर कहीं अधिक शक्तिशाली बना दिया। कांग्रेस ने अधिकार दिया, मोदी ने खाते में पैसा पहुंचाया। कांग्रेस ने कल्याणकारी राज्य बनाया, मोदी ने उसे लाभार्थी राज्य बनाया।

टेक्स कानून और नियमों का खेल, कौन बनेगा करपति

सनत जैन

अमिताभ बच्चन का कौन बनेगा करोड़पति कार्यक्रम सारे देश में लोकप्रियता के चरम पर है। इसमें प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रश्नों के सही जवाब के आधार पर उन्हें राशि मिलती है, देश भर में ख्याति मिलती है। इस कार्यक्रम में शामिल होने के बाद और उसमें करोड़पति बनने के बाद उसे समाज में जो महत्वपूर्ण स्थान मिलता है, उसकी तुलना करना आसान नहीं है। इसी तर्ज पर टैक्स अधिकारियों का एक क्विज कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसका नाम रखा है कौन बनेगा करपति। अप्रैल 2026 से नया आयकर कानून लागू हुआ है। इस कानून में इतने सारे नियम उप नियम है, इतने सारे जुर्माने के प्रावधान है। कानून लागू होने के पहले ही इतने सारे संशोधन हो चुके हैं। उसके हिसाब से आयकर विभाग के अधिकारियों को काम करने में नियमों को समझने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र राज्य के आठ शहरों के आयकर अधिकारियों और आयकर निरीक्षकों को शामिल कर एक क्विज कार्यक्रम चलाया गया। इसके लिए गूगल में रजिस्ट्रेशन हुआ। 550 प्रतिभागी शामिल हुए। प्रतियोगिता में नए इनकम टैक्स एक्ट के नियम और पुराने एक्ट के नियमों को दो भागों में बांटा गया। पहले चरण के परिणाम के आधार पर दोनों श्रेणियां के 30-30 प्रतिभागी चुने गए। अब इनमें 29 सितंबर को फाइनल मुकाबला होगा। इस क्विज के माध्यम से यह तय किया जाएगा, नए टैक्स कानून के नियम और उप नियम किस तरह से सीखे और समझे जाएं। आयकर विभाग के अधिकारी और निरीक्षक नए और पुराने कानून से अपग्रेड रहें। आयकर दाताओं को परेशानी का सामना ना करना पड़े, वहीं सरकार को ज्यादा से ज्यादा राजस्व मिले। यह एक बानगी है। गांव की भाषा में एक कहावत बड़ी प्रचलित है- लड़का सीखे नाई का, सिर कटे गंवार का। पिछले एक दशक में टैक्स से संबंधित सारे नियम और कानून संसद में मनी बिल एक्ट के तहत पास किए गए हैं। संसद में कानून और नियमों में और उसके उप नियमों में जो प्रावधान होते थे उसे संसद में रखना पड़ता था। सारे फॉर्मेट और जो भी परिवर्तन किया गया है, उसकी जानकारी संसद में रखी जाती थी। उस पर बहस होती थी। जो नियम और कानून बनते थे वह लंबे समय तक लागू रहते थे। लेकिन नोटबंदी के बाद से चाहे जीएसटी का कानून हो, चाहे आयकर के कानून हों, इसी तरह से राजस्व से संबंधित सारे नियम और कानून बदलने की शक्तियां अब मंत्रालय में मंत्रियों और अधिकारियों के पास आ गई है। आए दिन नए-नए सर्कुलर जारी हो जाते हैं। आए दिन नियम कानून और जुर्माने इत्यादि में परिवर्तन कर दिया जाता है। इसका पता अधिकारियों को भी सर्कुलर के जरिए लगता है। इतनी सारी संख्या में परिवर्तन किए गए हैं कि वह अधिकारियों को याद रख पाना संभव ही नहीं है। जिस तरह से टैक्स वसूली में अधिकारियों और सरकार का हस्तक्षेप एक भ्रष्टाचार के रूप में देखने को मिल रहा है, जिसकी मर्जी में जो आता है वह नियम और कानून बना लागू कर देता है। हर सर्कुलर एक दूसरे के विपरीत होने से सरकारी कार्यालयों और मंत्रालय में बैठे अधिकारी मनमाने तरीके से इसका उपयोग करते हैं। अब स्थिति यह आ गई है, हर जगह अराजकता मची हुई है। टैक्स अधिकारियों को समझ ही नहीं आ रहा है वह किस तरह से अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करें। टैक्स को लेकर लगातार शिकायतें बढ़ती चली जा रहे हैं। मामले ट्रिब्यूनल से लेकर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। अब ऐसा लगता है, करदाताओं को चाहे वह छोटा हो या बड़ा यदि उसे भारत में रहना है तो कानून पढ़ना जरूरी है। यदि वह कानून पढ़ भी ले और वह अपनी लड़ाई लड़ना चाहे तो वह उसके भाग्य पर निर्भर करता है। जो अधिकारी इसकी सुनवाई कर रहा है वह कितने नियम कानून को जानता है यदि नहीं जानता है और उसका भाग्य ठीक नहीं है इसका खामियाजा करदाता को ही भुगतना पड़ेगा। हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट और ट्रिब्यूनल सरकार के सामने बेबस हैं। सरकार ने सांसदों और विधायकों के अधिकारों को एक तरह से खत्म कर दिया है। टैक्स संबंधी मामले अब मनी बिल के अंतर्गत लोकसभा, राज्यसभा और राज्य की विधान सभा में धड़ाधड़ पास हो जाते हैं। बाद में प्रशासकीय आदेशों के तहत नए-नए नियम बनाकर लागू कर दिए जाते हैं। अब तो हर विभाग में जो सर्कुलर टैक्स के संबंध में जारी हुए हैं उन्हें याद रख पाना संभव ही नहीं है। कुछ ही समय में सारे नियम बदल जाते हैं। एक अधिकारी आता है उसके अपने अलग नियम होते हैं, दूसरा अधिकारी आता है तो वह अपने नियम लागू कर देता है। ऐसी स्थिति में यही कहा जा सकता है, नियम और कानून अब करदाता के भाग्य पर निर्भर है। सरकारी अधिकारियों की यदि उसके ऊपर कृपादृष्टि है तो उसे नियम कानून का फायदा मिलेगा। हो सकता है टैक्स से भी बचत हो जाए। यदि अधिकारियों की कृपादृष्टि उसके ऊपर नहीं है, ऐसी स्थिति में उसका भगवान ही मालिक है। कौन बनेगा करोड़पति की तर्ज पर जिस तरह कौन बनेगा करपति कार्यक्रम शुरू हुआ है, इस तरह से करदाताओं के लिए भी यह खेल शुरू किया जाना चाहिए। ताकि वह इस खेल के माध्यम से जान सके कैसे उन्हें टैक्स बचाना है, कैसे उन्हें अधिकारियों और सरकार की कृपा को पाना है। नियम और कानून जानने के लिए उसके लिए भी इस तरह के क्विज प्रोग्राम बहुत जरूरी हैं। वैसे भी भारत में कहा जाता है हर आदमी अपने भाग्य को लेकर पैदा होता है। सुख और दुख उसके भाग्य में निहित है। रामराज में भगवान राम की कृपा सब पर है। सबके अपने-अपने भाग्य हैं। इसमें सरकार और अधिकारियों का कोई दोष नहीं है।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आप बिजनेस में अच्छा लाभ कमायेंगे , भौतिक सुख सुविधाओं की बढ़ोतरी होगी। इस राशि के छात्रों का दिन खुशनुमा रहेगा, किसी टेस्ट पेपर में आपको अच्छे अंक प्राप्त होंगे। आज आप दूसरों की बातों को भी अहमियत देंगे और अच्छे से समझने की कोशिश करें , इससे आपको लाभ मिलेगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप पार्टनरशिप में किसी काम की शुरुआत करेंगे , भविष्य में आप बढ़िया लाभ कमायेंगे। आज आप अटके हुए कार्यों को पूरा करेंगे , जिससे आप अपने अन्य कार्यों को आगे बढ़ा पायें। इस राशि के व्यक्ति आज अपने जीवनसाथी को लेकर कहीं धार्मिक स्थल पर जा सकते हैं।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज रोजगार की तलाश खत्म होगी , आपको किसी अच्छी कंपनी से ऑफर मिलने की संभावना हैं। आज ऑफिस के कामों में दूसरों की राय लेने से बचें, बेहतर यही होगा की किसी अपनों की काम में मदद लें तो काम आसानी से सफल होंगे। आज पारिवारिक रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी , बच्चों के साथ टाइम स्पेंड करने का मौका मिलेगा।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आप कारोबार में पैसे के लेन-देन में जल्दबाजी न दिखाएं। आज आप अपने ध्यान को केंद्रित कर काम को पूरा करने की कोशिश करें। आज आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा , बच्चे भी आपको खुश होने की वजह देंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स किसी प्रतियोगी परीक्षा का फॉर्म भी भर सकते हैं या इंटरव्यू में जा सकते हैं। आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। शुभ अंक- 2

सिंह राशि : आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज आप सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे , किसी वरिष्ठ व्यक्ति से आपकी मुलाकात होगी। आज आप जीवनसाथी के लिए उपहार खरीदेंगे साथ ही घर की साज-सजावट के लिए घरेलू उपकरणों से जुड़ी खरीददारी भी कर सकते हैं। जिसमें परिवार का पूरा साथ मिलेगा।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज के दिन की शुरुआत आप किसी अच्छी आदत के साथ करेंगे , जिससे आपका स्वास्थ्य ठीक रहे। आज आपका मन रचनात्मक कार्यों में लगेगा , आप पेंटिंग भी कर सकते हैं। आज आपको मेहनत और व्यवहार के कारण वो सब मिलेगा , जिसके आप हकदार हैं। आज आप अपनी योजनाओं को गुप्त ही रखें अन्यथा विरोधी इसका लाभ उठा सकतें हैं। शुभ अंक- 8

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपको व्यापार में बड़ा धन लाभ होगा , जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रही रहेगी। आज आप अपने कामों में कामयाबी का परचम लहरायेंगे। आज आप खुद को मेंटली और फिजिकली फिट महसूस करेंगे। अगर आप नया वाहन खरीदने की सोच रहें है तो खरीद सकते हैं। शुभ अंक- 5

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज आप मेहनत और लगन से किसी काम को करने में सफल रहेंगे , पेरेंट्स भी गर्व महसूस करेंगे। आज किसी करीबी से आपको खुशखबरी मिलेगी , आपके घर का माहौल भी खुशनुमा बना रहेगा। आज आप जरूरतमंदों की मदद करेंगे , आपको आशीर्वाद की प्राप्ति होगी। आज ऑफिस में सरलता से कार्य को पूरा करने की कोशिश करें, मेहनत के मुताबिक सफलता आपको हासिल होगी। शुभ अंक- 1

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आपको ट्रांसफर से जुड़ी सूचना प्राप्त हो सकती है , जो आपके काम को आसान बनाएगी। अगर आप किसी नए व्यापार की शुरूआत करना चाह रहें है तो आज शुरूआत कर सकते है। इस राशि के व्यक्तियों को अपने जीवनसाथी से आज बहुत सारा प्यार मिलेगा। शुभ अंक- 7

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज आपका काफी समय से रुका हुआ काम पूरा होने से आपको खुशी मिलेगी। आज आप बिजनेस में परिवर्तन को लेकर विचार-विमर्श कर सकते हैं साथ ही ऑफिस में आपकी क्रिएटिविटी पहले से अच्छी बनेगी। इस राशि के लवमेट के लिए बढ़िया दिन है, आप मूवी देखने का प्लान बना सकते हैं। शुभ अंक- 9

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपको कार्यस्थल पर थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी , लेकिन किसी सहकर्मी से मदद भी मिल सकती है। साथ ही किसी विदेशी कंपनी से जॉब का ऑफर आ सकता है। आज आपके काम से सभी बहुत प्रभावित होंगे और आपसे इंस्पायर भी होंगे। आज सामाजिक कार्यों में आपकी रूचि बढ़ेगी ।

मीन राशि :आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपका ध्यान नयी चीजों के प्रति आकर्षित होगा , आपके मन में कुछ बड़ा करने की प्रेरणा होगी। काफी लम्बे समय बाद आपको घर जाकर बच्चों से मिलने का मौका मिलेगा। आज आपका मार्केट में रुका हुआ पैसा आपको मिल जायेगा , जिससे आपका काम आगे बढ़ेगा। इस राशि के स्टूडेंट के लिए आज का दिन शुभ रहने वाला है आज आपको शिक्षकों से प्रशंसा मिलेगी। शुभ अंक- 4

देसी राज की शिक्षा ने मतिहीन नेता बनाए

शंकर शरण

हिन्दू ग्रंथों की निन्दा करने वाले उसे शायद ही पढ़ते हैं। मनुस्मृति के राज्य-शासन संबंधी तीनों अध्याय गंभीर ज्ञान-भंडार हैं। अधिकांश आज भी मूल्यवान। तब सोचें, तीन हजार वर्ष पहले इतना गहन चिंतन विश्व में कहाँ था! तब यहाँ ऐसे शास्त्र रचे गए, जिन की बातें आज भी चमत्कृत करती है। ज् निंदक लोग केवल सुनी-सुनाई पर चलते हैं कि उस में 'शूद्रों या स्त्रियों के बारे में कुछ आपत्तिजनक है।Ó वस्तुतः मनुस्मृति में वैसा भी कुछ नहीं है।.. स्वामी दयानन्द सरस्वती ने मनुस्मृति को अपने समाज-सुधार का आधार बनाया था। यदि मनुस्मृति जातिवादी या स्त्री-विरोधी होती, तो वे संपूर्ण भारत में इतना बड़ा आधुनिक, व्यापक प्रभावशाली सुधार आंदोलन चलाने में कैसे सफल हुए होते? प्रायः लगता है, कि अंग्रेजों ने इस देश को अधिक सहानुभूति से समझा था। लोगों की ही नहीं, अपितु यहाँ के ज्ञान, इतिहास, विरासत, धर्म और संस्कृति के प्रति भी सच्ची देख-भाल की प्रवृत्ति उन में थी। यह बात एकबारगी विचित्र लगे, किंतु ठोस पैमानों पर — सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं व्यवहारिक — परखने से सोचने पर विवश होना पड़ेगा।

शिक्षा का उदाहरण लें। अंग्रेजों ने यहाँ अपने बनाए स्कूलों, कॉलेजों में यूरोप के सर्वश्रेष्ठ ज्ञान से भारतीय बच्चों, युवाओं को शिक्षित किया। साहित्य और दर्शन में महान भारतीय रचनाओं को भी वही स्थान दिया। यह पुराने पुस्तकालयों में रखी उस जमाने की पाठ्य सामग्रियों तथा उस युगीन हमारे विद्वानों के लेखन के माध्यम से भी जाना जा सकता है। पर देशी राज की शिक्षा ने क्या किया? इस ने जल्द ही शिक्षा का राजनीतिकरण, मतवादीकरण कर दिया! पूरे ब्रिटिश राज में शायद ही स्कूलों में कभी ब्रिटिश सम्राटों या वायसरायों की विरुदावली रटाने, फैलाने का काम हुआ। देशी राज में अपने चालू नेताओं को दैवी, ज्ञानी, चिंतक, विश्वनेता, आदि बताना नीचे से ऊपर सभी कक्षाओं में एक सामान्य तत्व बन गया। यह प्रवृत्ति शिक्षा के विरुद्ध कुशिक्षा को प्रश्रय देना था। अनजाने होने से उस की हानि कम नहीं हुई! बल्कि फिर उस का प्रतिफलन, विस्तार, आदि अन्य क्षेत्रों में भी होना ही था। जैसे, शिक्षा में सच्चे सिद्धांत पढ़ने के बजाए वैसे मतवादों, विचार पढ़ाना जो उन नेताओं को पसंद थे। या जो उन की अपनी झक थी। तदनुसार, विद्वानों के बदले उन भक्तों और रट्टू तोतों को आचार्य, अध्यापक, संचालक बनाना जो उन मतवादों का प्रचार करें। इसी तरह, फिर शोध के नाम पर उन्हीं बातो, आग्रहों, दुराग्रहों की पुष्टि कराने वाले विचार को शोध-विषय बनाकर शुद्ध प्रोपेगंडा को शोध, ज्ञान, शिक्षा, और उच्च-शिक्षा का नाम दे देना। उक्त सभी प्रवृत्तियों को आज विकराल व दयनीय रूप में चारो तरफ देख सकते हैं। बीमारी इतनी व्यापक हो चुकी, कि बीमारी नहीं लगती! मानो जहाँ सभी अंधे हों, वहाँ अंधकार और प्रकाश में नामालूम अंतर रहता है। सो, सचमुच ज्ञान की बातें, ज्ञान पुस्तकें, और सच्चे शिक्षक आज के शैक्षिक बौद्धिक वातावरण में नक्कू हैं। उन के लिए कहीं स्थान नहीं। यह भी सरसरी अवलोकन से देखा जा सकता है।

वर्तमान मुहावरे में कहें, तो 'जेनरल कैटेगरीÓ के प्रतिभाशाली विद्यार्थी या अध्यापक विदेशों में जगह ढूँढने के लिए अभिशप्त हैं। देश में उन के लिए कोई चिन्ता करने वाला नहीं! इस प्रकार, देसी राज को ज्ञान, प्रतिभा, योग्यता, कुशलता तथा इस से होने वाले लाभ, और इन की अनुपस्थिति में होने वाली हानि — दोनों में से किसी का बोध तक नही है! तुलना कीजिए, ब्रिटिश राज की तमाम छात्रवृत्तियों, सम्मानों, प्रोत्साहनों, और पदवियों से। कहीं भी उस में लेशमात्र भी मिलावट, प्रोपेगंडा, भेद-भाव, मिथ्याचार, या दिखावे का संकेत नहीं मिलेगा! इस का प्रत्यक्ष प्रमाण यह भी है कि किसी कट्टर से कट्टर राष्ट्रवादी भारतीय ने अंग्रेज शासकों, प्रशासकों, अधिकारियों पर सामान्य पक्षपात या भ्रष्टाचार का आरोप कभी नहीं लगाया। उन का नियमित कामकाज इतनी पारदर्शिता और गुणवत्ता से चलता था। अतः क्या आश्चर्य कि आज देश के सर्वोच्च नेतागण भी भारतीय ज्ञान-ग्रंथों के बारे में शून्य जानकारी रखते हैं। यदि कोई संस्था सर्वेक्षण करे (जो 'प्यू रीसर्चÓ जैसी कोई विदेशी ही हो सकती है, देश में अब ऐसी कोई संस्था ही नहीं बची! जो यह करती हो) तो हमारे तमाम मंत्रियों, सासंदों में भारतीय ज्ञान ग्रंथों के पाँच नाम भी बता सकने वाले बिरले ही मिलेंगे। वही देश की शिक्षा, संस्कृति, और विज्ञान, सब के कर्णधार हैं! कहने की जरूरत नहीं कि आम अन्धत्व की स्थिति में इस हाल का मतलब समझने वाले भी बहुत कम हैं। और जो हैं वे असहाय दर्शक भर। अब इस नये प्रसंग को देखें, जो 'मनुस्मृतिÓ को फिर दो लात लगाने से जुड़ी है। एक महान ज्ञान-ग्रंथ — जिस ने ब्रिटिश राज के दौर में स्वामी दयानन्द और स्वामी विवेकानन्द जैसे महापुरुषों को प्रेरित किया, जिन्होंने देश-विदेश में अनगिनत लोगों को अपनी सीख से लाभान्वित किया। उस ग्रंथ का स्थान देसी राज में यह है कि हर नेता उसे गाली देकर, या जला कर अपने को देश का कर्णधार समझता है! किसी को उसे पढ़ने की जरूरत नहीं। बस, गाली देना पर्याप्त है। जिस से वह प्रगतिशील, बहुजन-हितैषी, समाज सेवक, आदि कहलाने का हकदार हो जाता है। यह है देसी राज की शिक्षा का नतीजा, जिस में पैदा हुए और पले-बढ़े लोग ही आज देश भर में सत्तासीन हैं। वे न केवल यह दृश्य सहज रूप से देखते हैं, अपितु इसी को प्रोत्साहन देते हैं। मामूली खोजबीन से ऐसे उच्च पदस्थ लोग मिल जाएंगे जो मनुस्मृति को जलाकर, या उसे अपशब्द कह कर ऊपर स्थापित हुए। साथ ही, ऐसे लोग भी मिल जाएंगे जो जटिल विषयों के अच्छे ज्ञाता हैं, इसीलिए कहीं भूखे, बेघर उपेक्षित पड़े हैं। जो किन्हीं मित्रों के अनुदान और सहयोग से जीवन चला रहे हैं। क्योंकि वे उस 'केटेगरीÓ के हैं जिन की जरूरत देसी राज को नहीं है। सो, देसी राज में महान पुस्तकें शिक्षा से क्रमशः बाहर होती गईं। उन्हें तुच्छ या अप्रासंगिक मान लिया गया। बिना पढ़े। मनुस्मृति की नियमित भर्त्सना इसी का उदाहरण है। जबकि यदि शीर्षक हटाकर इसे किन्हीं भी दस समझदार लोगों को पढ़ने को दें, और फिर मंतव्य लें, तो सभी उसे महान ग्रंथ मानेंगे। अतः निंदक लोग केवल सुनी-सुनाई पर चलते हैं कि उस में 'शूद्रों या स्त्रियों के बारे में कुछ आपत्तिजनक है।Ó वस्तुतः मनुस्मृति में वैसा भी कुछ नहीं है। यदि होता, तब भी आज के नजरिए से किसी पुरानी पुस्तक में कोई नापसंद बात मिलने पर भी उसे अपमानित करना मूर्खता है। इसीलिए 'ओल्ड टेस्टामेंटÓ या 'कुरानÓ जैसे प्राचीन ग्रंथों को सम्मान दिया जाता ह। जबकि उस में पगान, आइडोलेटर, काफिर, यानी दूसरे धर्म-विश्वासियों के लिए अत्यंत अपमानजनक बातें लिखी हुई हैं। उस दृष्टि से आज दुनिया में कम से कम तीन अरब लोग आइडोलेटर और काफिर हैं। तो मनुस्मृति को गाली देने की तर्ज पर आइडोलेटरों को क्या इन्हें उन पुस्तकों को अपशब्द कहने का अधिकार है? पूछ कर देखिए, मनुस्मृति को जलाने का दंभ रखने वाले बगलें झाँकने लगेंगे! देसी राज की शिक्षा ने ऐसे ही मतिहीन नेता बनाए हैं। जो अपनी ही दलील से दो कदम भी सुसंगत नहीं चल सकते। पर वही हमारे कर्ता-धर्ता और मार्गदर्शक हैं। मनुस्मृति में सृष्टि, दर्शन, धर्म-चिंतन, जीवन के विधि-विधान, गृहस्थ-जीवन, स्त्री, विवाह, राज्य-राजा संबंधी परामर्श, वैश्य-शूद्र संबंधी कर्तव्य, प्रायश्चित, कर्मफल विधान, मोक्ष और परमात्मा चिंतन है। विविध प्रकाशनों में मनुस्मृति में डेढ़ से लेकर ढाई हजार श्लोक मिलते हैं। उन में सैकड़ों प्रक्षिप्त श्लोक माने गए हैं। यानी जो मूल श्लोकों से विसंगत लगेंगे। उन पर विद्वानों में मतभेद हैं। अतः किसी एक मात्र प्रमाणिक प्रति पर असहमति है। फिर भी, ध्यान देना चाहिए कि स्वामी दयानन्द सरस्वती और स्वामी विवेकानन्द की तमाम शिक्षाओं और जीवन-कर्म का आधार वेद, उपनिषद और मनुस्मृति हैं। इस प्रकार, भारतीय समाज की जो सेवा इन महापुरुषों ने की, उस की प्रेरणा उन्हें मनुस्मृति से भी मिली। तब स्वामी विवेकानन्द ने मनुस्मृति को अधिक समझा था या आज के हमारे कर्णधार जो समाज को तोड़ने, लड़ाने, वोट बटोरने के लिए मनुस्मृति पर कालिख पोतते रहते हैं? जबकि वही लोग कुरान पर मुँह सी लेते हैं, जिस में लिखे आदेश आज भी दुनिया के हजारों नेता अपना स्थाई कानून समझते हैं। तदनुरूप काफिरों का संहार करना, उन्हें छल-बल से धर्मांतरित कराना, या अपमानित करते रहना अपना खुदाई अधिकार और धर्म समझते हैं! ऐसा धर्म जिस में रुकावट डालने पर आसमान सिर पर उठा लेते हैं। केवल वही नेता नहीं, उन की कौम के वोटों की नजरे-इनायत के लालची काफिर नेता भी कुरान के सम्मान में झुके रहते हैं। फिर, तुलना में मनुस्मृति का रचनात्मक प्रभाव देखें। स्वामी दयानन्द सरस्वती ने मनुस्मृति को अपने समाज-सुधार का आधार बनाया था। यदि मनुस्मृति जातिवादी या स्त्री-विरोधी होती, तो वे संपूर्ण भारत में इतना बड़ा आधुनिक, व्यापक प्रभावशाली सुधार आंदोलन चलाने में कैसे सफल हुए होते? यह प्रमाणिक इतिहास भुलाकर, केवल अपने लोभ और राजनीतिक प्रोपेगंडा के असर में यहाँ अनेक लोगों ने भ्रमवश या जान-बूझकर मनुस्मृति को निशाना बना रखा है। यहाँ तक कि 'मनुवादÓ नामक गाली तक गढ़ ली! यह देसी राज की वह दुर्दशा है जो मुगल राज में भी नहीं थी।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

एशियाई खेल : मां से किया वादा निभाकर असीमा ने बनाया भारतीय टीम में स्थान

एजेंसी, नई दिल्ली

असीमा अहलावत के लिए शूटिंग का सफर पढ़ाई से शुरू होकर एशियाई खेलों तक पहुंचा है। 18 साल की उम्र में पिस्टल से निशानेबाजी शुरू करने वाली 22 वर्षीय असीमा ने बाद में शॉटगन को अपना खेल चुना। यह बदलाव उन्होंने अपनी मां से किए एक वादे के बाद किया था। मां ने उन्हें शूटिंग में करियर बनाने की अनुमति देने से पहले पढ़ाई में अच्छे अंक लाने की शर्त रखी थी। असीमा ने 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 98.6 प्रतिशत अंक हासिल कर अपना वादा पूरा किया। अब चार साल बाद रोहतक, हरियाणा की असीमा आइची-नागोया एशियाई खेलों में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं। असीमा के खेल से जुड़ने की कहानी भी दिलचस्प है। निर्माण कारोबार से जुड़े परिवार में पली-बढ़ी असीमा ने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों को

देखने के बाद निशानेबाजी की ओर आकर्षित होना शुरू किया। उन्होंने एक बयान में कहा, "मंच पर मनु भाकर और हीना सिद्धू को देखकर मुझे याद है कि मैंने सोचा था, मैं भी किसी दिन ऐसा महसूस करना चाहती हूं।" असीमा के इस सफर में उनकी मां की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने कहा, "मेरी मां ने मुझे सिर्फ अनुमति नहीं दी, बल्कि इसके लिए बहुत कुछ छोड़ा भी। वह रोहतक से दिल्ली आ गईं, उन्होंने हमारे पारिवारिक कारोबार को भी स्थानांतरित किया, ताकि मैं ठीक से प्रशिक्षण ले सकूं। मैं इस बात को हल्के में नहीं लेती।" शूटिंग के शुरुआती वर्षों में भी असीमा को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उनकी पहली शॉटगन और गोला-बारूद की व्यवस्था होने में करीब आठ महीने लग गए। उन्होंने कहा, "पदक ही यह बताने का एकमात्र तरीका नहीं है कि आपने कितनी दूर तक सफर तय किया है।" उन्होंने आगे कहा, "अगर कुछ सही नहीं होता है तो मैं गलती तलाशती हूं, उसे सुधारती हूं और पहले से ज्यादा मजबूती के साथ वापसी करती हूं।" यही सोच 2024 में पेरू में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में भी उनके काम आई। अपने जूनियर करियर के अंतिम वर्ष में एक गलत गणना के कारण वह अंतिम निशाने से चूक गईं और चौथे स्थान पर रहीं। इसके कुछ सप्ताह बाद उन्होंने दिल्ली में आयोजित विश्व विश्वविद्यालय चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। असीमा अपनी प्रगति का श्रेय राष्ट्रीय राइफल संघ को भी देती हैं। उन्होंने कहा, "राष्ट्रीय राइफल संघ ने मेरे जैसे निशानेबाजों के लिए चीजों को काफी आसान बनाया है।

एशियाई खेल : भारतीय महिला हॉकी टीम को कोच मारिजने का संदेश- स्वर्ण पदक के लिए फिर लड़ना होगा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम एशियाई खेल 2026 में 44 साल के स्वर्ण पदक के इंतजार को खत्म करने और लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालीफाई करने के इरादे से जापान पहुंच चुकी है। विश्वकप 2026 में ऐतिहासिक पांचवां स्थान हासिल करने के बाद टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है लेकिन मुख्य कोच सजोर्ड मारिजने ने खिलाड़ियों को स्पष्ट संदेश दिया है कि विश्वकप की सफलता अब पीछे छूट चुकी है और एशियाई खेलों में स्वर्ण के लिए उन्हें फिर से पूरी ताकत लगानी होगी। भारतीय महिला टीम ने 1982 के बाद एशियाई खेलों में सिर्फ एक बार स्वर्ण पदक जीता है। ऐसे में जापान में होने वाले मुकाबले

टीम के लिए इतिहास बनाने का अवसर हैं। विश्वकप में पांचवें स्थान के रूप में भारत ने 52 वर्षों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। मारिजने ने कहा कि विश्वकप के बाद बेंगलुरु में खिलाड़ियों को सक्रिय आराम दिया गया और जापान पहुंचने के बाद टीम समय के अंतर के साथ तालमेल बैठाने और प्रशिक्षण में तेजी लाने पर ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा, "हम बहुत खूबसूरत माहौल में हैं और अब हर कोई एशियाई खेलों पर पूरी तरह केंद्रित है।" शारीरिक तैयारी के बारे में मारिजने ने बताया कि डॉ. वेन लोम्बार्ड और उनकी टीम खिलाड़ियों के लिए शारीरिक कार्यक्रम तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि सिर्फ ज्यादा से ज्यादा प्रशिक्षण करना ही महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि आराम, उसकी सही प्रक्रिया और स्ट्रेंथ सेशन भी उतने ही जरूरी हैं। उन्होंने कहा, "वेन खिलाड़ियों की निगरानी करते हैं कि वे कैसा महसूस कर रहे हैं, उनकी नींद कैसी है और क्या वे तरोताजा हैं। स्टाफ के लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि प्रशिक्षण की तीव्रता कितनी रखी जा सकती है। वे मुझे बताते हैं कि मेरे सत्र में ऊर्जा और तीव्रता का स्तर कितना हो सकता है।" विश्वकप की उपलब्धि को पीछे छोड़ने के बारे में मारिजने ने कहा कि उन्होंने जापान रवाना होने से पहले बेंगलुरु में खिलाड़ियों के लिए विशेष जापानी भोजन की व्यवस्था कराई और उस दौरान टीम से विश्वकप के अनुभव को एक बार फिर याद करने के बाद अगले अध्याय पर ध्यान देने को कहा।

आईसीसी रैंकिंगः टी-20 में वरुण पांचवें, बुमराह शीर्ष-10 में पहुंचे; ओली रॉबिन्सन टेस्ट में तीसरे स्थान पर

एजेंसी, दुबई

अफगानिस्तान के खिलाफ जारी टी-20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन का फायदा भारतीय खिलाड़ियों को ताजा आईसीसी रैंकिंग में मिला है। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती दो स्थान की छलांग लगाकर पांचवें पायदान पर पहुंच गए हैं, जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सात स्थान ऊपर चढ़कर शीर्ष-10 में शामिल हो गए हैं। विश्वकप चैंपियन भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में दिल्ली में खेले गए दूसरे मुकाबले के बाद 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। सीरीज के पहले दो मैचों में भारतीय खिलाड़ियों ने गेंद और बल्ले, दोनों से प्रभावी प्रदर्शन

किया है। टी-20 गेंदबाजों की रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती दो स्थान ऊपर पांचवें, जसप्रीत बुमराह सात स्थान ऊपर 10वें, अर्शदीप सिंह 11 स्थान की छलांग लगाकर 14वें और अक्षर पटेल छह स्थान ऊपर 27वें पायदान पर पहुंच गए हैं। टी-20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में अभिषेक शर्मा को भी शानदार प्रदर्शन का फायदा मिला है। अफगानिस्तान के खिलाफ पहले मैच में 82 रन की तूफानी पारी खेलने वाले अभिषेक एक स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़ा है। अभिषेक से आगे अब केवल ईशान किशन हैं। दोनों भारतीय बल्लेबाजों के बीच 51 रेटिंग अंकों का अंतर है। वहीं, दूसरे मैच में अर्धशतक लगाने वाले संजू सैमसन चार स्थान ऊपर चढ़कर 30वें पायदान पर पहुंच गए हैं। अफगानिस्तान के लिए भी ऑलराउंडरों की रैंकिंग में अजमतुल्लाह उमरजई ने प्रगति की है। 26 वर्षीय उमरजई ने सीरीज के पहले मैच में नाबाद अर्धशतक लगाया था।

एशियाई खेलः स्वर्ण पदक बरकरार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी भारतीय महिला कबड्डी टीम

एजेंसी, नई दिल्ली । एशियाई खेल-2026 में भारतीय महिला कबड्डी टीम अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। कप्तान पुष्पा राणा और अर्जुन पुरस्कार विजेता पूजा काजला ने टीम की तैयारियों पर भरोसा जताते हुए कहा कि भारतीय टीम का लक्ष्य शीर्ष स्थान हासिल करना है। भारतीय 12 सदस्यीय टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल रहीं पुष्पा राणा ने कहा कि टीम ने विरोधी टीमों का विश्लेषण करने के साथ अपनी कमजोरियों पर भी काम किया है। उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा, "हम परिस्थितियों के अनुसार अभ्यास करते हैं। आगामी मुकाबलों के वीडियो का भी विश्लेषण करते हैं। हमारे कोच हमें पिछली गलतियों और उन क्षेत्रों के बारे में बताते हैं, जिनमें सुधार की जरूरत है। अब हम उन्हीं पहलुओं पर काम कर रहे हैं। मुझे लगता है कि हमारी टीम पूरी तरह तैयार है।" एशियाई खेलों में कबड्डी में भारत का दबदबा रहा है और देश ने इस खेल में अब तक 11 स्वर्ण पदक जीते हैं, जिनमें महिला वर्ग के तीन स्वर्ण शामिल हैं। भारतीय महिला टीम ने हांगझोउ एशियाई खेलों में चीनी ताइपे को फाइनल में 26-25 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था। पिछले साल नवंबर में भारतीय महिला टीम ने विश्व कप का खिताब भी अपने नाम किया था।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के फिनिशर मेडल का किया अनावरण

एजेंसी, नई दिल्ली

वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रेस-वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के 21वें संस्करण के प्रतिष्ठित फिनिशर मेडल का बुधवार को अनावरण किया गया। दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस मेडल का अनावरण किया। यह मेडल हर धावक के लिए उपलब्धि और फिनिश लाइन तक पहुंचने की उसकी मेहनत का प्रतीक है। वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन का आयोजन रविवार, 18 अक्टूबर 2026 को प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से शुरू होगा। भारत और दुनिया भर से हजारों धावक राजधानी की सड़कों

पर एक लक्ष्य के साथ उतरेंगे और होगा फिनिश लाइन पार करना और अपना मेडल हासिल करना। पिछले दो दशकों में यह आयोजन दिल्ली की खेल पहचान का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। यह फिटनेस, भागीदारी और रनिंग के जज्बे के उत्सव के रूप में पूरे शहर को एक साथ लाता है। कई मायनों में इसकी स्थायी विरासत एक फिट और स्वस्थ भारत के उस विजन को दर्शाती है, जिसे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में फिट इंडिया मूवमेंट के माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा, "स्वास्थ्य, फिटनेस, महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और व्यापक सामाजिक-आर्थिक तथा परोपकारी प्रभाव पर केंद्रित वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन राष्ट्रीय राजधानी के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बन गई है। प्रतिभागियों का उत्साह और खुशी वास्तव में प्रेरणादायक है और दिल्ली सरकार इस आयोजन के साथ मजबूती से खड़ी है, ताकि इसका यह संस्करण और भी सफल हो।"

बिजनेस

ग्लास वॉल सिस्टम्स की स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

बड़ी इमारतों और कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के लिए शीशे की बाहरी दिवारों को डिजाइन करने और फिनिस्ट्रेशन सर्विस देने वाली कंपनी ग्लास वॉल सिस्टम्स (इंडिया) लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 182 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 4.45 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 190.10 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 6.59 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 194 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 229 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इसके भाव में गिरावट भी दर्ज की गई। बिकवाली के दबाव में ये शेयर 185.20 रुपये के स्तर तक गिर भी गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद ये शेयर 215.35 रुपये के

स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 33.35 रुपये यानी 18.32 प्रतिशत का फायदा हो गया। इस कंपनी का 427.89 करोड़ रुपये का आईपीओ 8 से 10 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 81.65 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 167.93 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 79.71 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 33.18 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत दो रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,35,10,425 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें लगभग 60 करोड़ रुपये के 32,96,703 नए शेयर जारी किए गए हैं, जबकि लगभग 368 करोड़ रुपये के 2,02,13,722 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी ग्लास प्रोसेसिंग यूनिट लगाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। ग्लास वॉल सिस्टम्स (इंडिया) लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली उतार-चढ़ाव के बावजूद लगातार मजबूत बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 20.25 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 57.51 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 83.79 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 310.26 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 288.14 करोड़ रुपये और 2025-26 में उछल कर 471.43 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में तेजी का रुख

एजेंसी, नई दिल्ली । ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज मजबूती के साथ कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार आज आमतौर पर मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। पिछले सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट में बिकवाली का दौर जारी रहा। यूएस ट्रेजरी यील्ड में बढ़ोतरी, ब्याज दर को लेकर बढ़ती चिंता और कच्चे तेल की कीमत में उछाल आने की वजह से निवेशक सतर्क मुद्रा में कारोबार करते रहे। इसका असर वॉल स्ट्रीट के सूचकांकों की गिरावट के रूप में साफ-साफ नजर आया। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 328.09 अंक यानी 0.63 प्रतिशत गिर कर 52,093.11 अंक के स्तर पर आ गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,585.73 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 204.84 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,981.57 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

बड़े राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देते हुए कर नीति पर चर्चा होनी चाहिएः सीतारमण

एजेंसी, नई दिल्ली/बेंगलुरु

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि कर नीति (टैक्स पॉलिसी) पर चर्चा छोटे सेक्टर की बातों से ऊपर उठकर बड़े राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने बेंगलुरु में आयोजित 'इंटरनेशनल टैक्स रिसर्च एंड एनालिसिस फाउंडेशन' (आईटीआरएएफ) द्वारा 'न्यू एज टैक्सेशन' विषयक 8वें अंतरराष्ट्रीय कर सम्मेलन को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि प्रस्तावों में अलग-अलग रेट कट यानी छूट के बजाय लंबे समय के विकास के लक्ष्यों पर ध्यान देना चाहिए। मंत्री ने शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और थिंक टैंक से कहा कि वे स्वतंत्र टैक्स पॉलिसी रिसर्च को सार्वजनिक चर्चा का नियमित हिस्सा बनाएं ताकि इसकी जांच की जा सके, इस पर सवाल उठाए जा सकें और इसमें सुधार किया जा सके। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कर नीति पर स्वतंत्र शोध को सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनना चाहिए। वित्त मंत्री ने कहा कि कर पेशेवरों को क्षेत्रीय हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय

हित को प्राथमिकता देनी चाहिए। सीतारमण ने कहा भारत में कराधान के क्षेत्र में उच्च स्तर के पेशेवर और विशेषज्ञ हैं लेकिन उनकी विशेषज्ञता को एक साथ लाकर नीतिगत विकल्पों में योगदान देने के लिए मजबूत संस्थागत मंच की जरूरत है। सीतारमण ने आईटीआरएएफ से स्वतंत्र कर नीति अनुसंधान को अधिक प्रमुखता से सामने लाने और उसे नीति-निर्माण तथा सार्वजनिक विमर्श से सीधे जोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा है कि सरकार को दिए जाने वाले टैक्स से जुड़े प्रस्तावों में दरों में कटौती, छूट या रियायतें मांगने के बजाय देशहित को सबसे ऊपर रखा जाना चाहिए। वित्त मंत्री ने अपने मंत्रालय की बजट-पूर्व चर्चाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि इन चर्चाओं से ऐसे बड़े सवाल उठने चाहिए कि 'विकसित भारत 2047' की ओर बढ़ते हुए अगले दो दशकों में भारत में किस तरह की टैक्स व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने बेहतर टैक्स रिसर्च पर जोर दिया, जो सभी पहलुओं पर विचार करे। साथ ही इसके असर को मापे, ट्रेड-ऑफ (फायदे-नुकसान के बीच संतुलन) को समझे, सरकारी खजाने को होने वाले हर राजस्व नुकसान के लिए व्यावहारिक विकल्प सुझाए और सरकार को ऐसे विकल्प तैयार करने में मदद करे, जिनसे एक अच्छी टैक्स पॉलिसी बन सके।

स्टॉक मार्केट में कनोहर इलेक्ट्रिकल्स की मजबूत शुरुआत, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

उच्च क्षमता वाले इलेक्ट्रिक ट्रासफॉर्मर बनाने वाली कंपनी कनोहर इलेक्ट्रिकल्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 632 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 6.33 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 672.05 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 8.39 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 685.50 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 787 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण ये

ऊपरी स्तर से नीचे गिर गया। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद ये शेयर 751.30 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 119.30 रुपये यानी 18.88 प्रतिशत का फायदा हो गया। इस कंपनी का 1,055.74 करोड़ रुपये का आईपीओ 8 से 10 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 90.59 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 215.37 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 87.74 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 20.51 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,67,04,750 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें लगभग 300 करोड़ रुपये के 47,46,835 नए शेयर जारी किए गए हैं, जबकि लगभग 756 करोड़ रुपये के 1,19,57,915 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं।

बंगाल में दुर्गा पूजा से पहले 25 हजार करोड़ की परियोजनाओं का होगा शिलान्यास

एजेंसी, कोलकाता : पश्चिम बंगाल में बड़े औद्योगिक निवेश को लेकर चर्चा के बीच भाजपा की प्रदेश महासचिव लॉकेट चटर्जी ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर उद्योगपति और आरपी-संजिव गोयनका समूह के चेयरमैन संजीव गोयनका का एक वीडियो साझा किया है। वीडियो में गोयनका पश्चिम बंगाल में बड़े निवेश की योजना और निकट भविष्य में परियोजना को आगे बढ़ाए जाने की बात करते नजर आ रहे हैं।गोयनका ने पश्चिम बंगाल में करीब 25 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव का उल्लेख किया है। लॉकेट चटर्जी ने इसे बंगाल में निवेश और औद्योगिक विकास के संदर्भ में साझा करते हुए 'पहले और अब' की तुलना का राजनीतिक संदेश दिया है। गोयनका ने बताया कि राज्य में वितरण कारोबार को मजबूत करने के लिए अब तक मुख्य रूप से वितरण नेटवर्क के आधुनिकीकरण, मीटरिंग व्यवस्था और अन्य कार्यों पर हर साल करीब 100 करोड़ रुपये का निवेश किया जाता रहा है। उनके मुताबिक, अब करीब 25 हजार करोड़ रुपये के बड़े निवेश का प्रस्ताव राज्य सरकार के समक्ष रखा गया है और इसे सरकार की मंजूरी भी मिल चुकी है। गोयनका ने यह भी संकेत दिया है कि इस निवेश से जुड़ी परियोजना का शिलान्यास दुर्गापूजा से पहले किया जा सकता है। उन्होंने निवेश प्रस्ताव के तेजी से आगे बढ़ने पर आश्चर्य जताते हुए कहा कि अपने पूरे कार्यजीवन में उन्होंने इस तरह के प्रस्ताव को इतनी तेजी से आगे बढ़ते हुए देखने की कल्पना नहीं की थी।

स्टॉक मार्केट में प्रसोल केमिकल्स की डिस्काउंट लिस्टिंग, अपर सर्किट के बावजूद नुकसान में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

फॉस्फोरस और एसिटोन बेस्ड स्पेशिलिटी केमिकल का प्रोडक्शन करने वाली कंपनी प्रसोल केमिकल्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में गिरावट के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 676 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 9.62 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 611 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 9.76 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 610 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस शेयर की स्थिति में सुधार होने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल

कर दोपहर 11:20 बजे 672.05 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया और दिन के अंत में इसी स्तर पर बंद भी हुआ। इस तरह पहले दिन के कारोबार में अपर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 3.95 रुपये यानी 0.58 प्रतिशत के नुकसान में रहे। इस कंपनी का 500 करोड़ रुपये का आईपीओ 8 से 10 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.47 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 7.59 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.89 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.79 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत दो रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 73,96,437 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें लगभग 80 करोड़ रुपये के 11,83,431 नए शेयर जारी किए गए हैं, जबकि लगभग 420 करोड़ रुपये के 62,13,006 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं।

हनुमान अंश की सफलता चमत्कार से कम नहीं: अनुप्रिया नागर

बाक्स आफिस पर जबर्दस्त कमाई से सभी को चौकाने वाली फिल्म हनुमान अंश की हर तरफ खूब तारीफ़ हो रही है। फिल्म की अप्रत्याशित सफलता को लेकर प्रोड्यूसर अनुप्रिया नागर ने बताया कि जिस तरह से फिल्म को प्यार मिल रहा है, यह वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकती है। अपनी खुशी व्यक्त करते हुए अनुप्रिया नागर ने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि फिल्म इस कदर सफल हो जाएगी। उन्होंने इस सफलता को किसी चमत्कार से कम नहीं माना और कहा, यह महाराज का आशीर्वाद ही है, जो फिल्म इतना कमाल कर रही है। वह चाहते थे कि यह फिल्म अच्छा करे और लोगों तक पहुंचे। उनका आशीर्वाद हमारे साथ रहा है। अनुप्रिया नागर ने सिनेमाघरों में फिल्म के शुरुआती हफ्तों के नतीजों पर रोशनी डालते हुए कहा, जैसा कि आपने कहा, इंडस्ट्री ने फिल्म को पहले हफ़्ते में ही फ्लॉप घोषित कर दिया था। यह एक चमत्कार है; मैंने इंडस्ट्री में ऐसा कभी नहीं देखा और मुझे खुद भी इसकी उम्मीद नहीं थी, लेकिन यह महाराज जी के आशीर्वाद की वजह से हो पाया है और फिल्म बहुत अच्छा कर रही है। उन्होंने आगे बताया, अब हम फिल्म को ग्लोबल लेवल पर भी ले जा रहे हैं। बहुत सारे लोगों को महाराज जी और उनके मूल्यों के बारे में पता चलेगा। अनुप्रिया नागर ने इस फिल्म के निर्माण में महिलाओं की भागीदारी पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस फिल्म को तीन महिलाओं ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। अनुप्रिया ने अपनी निजी प्रेरणा का भी ज़िक्र किया। उन्होंने कहा, मैंने इस फिल्म को प्रोड्यूस किया है। जब मैं यूके में इकोनॉमिक्स में डिग्री कर रही थी, तब मैंने देखा कि महाराज जी ने कई लोगों को प्रभावित किया था, जिसमें कई विदेशी भी शामिल थे। उन्होंने स्टीव जॉब्स का उदाहरण देते हुए कहा, मैंने यह भी देखा कि स्टीव जॉब्स कैंची धाम गए थे, जहाँ उन्हें अपने पहले कंप्यूटर डिज़ाइन का आइडिया मिला था। अनुप्रिया को यह बात हैरान करती थी कि भारत की बेटी होने के नाते, उन्हें महाराज जी के बारे में एक विदेशी से क्यों जानना पड़ा, उन्हें उनकी अपनी कहानी के ज़रिए उनके सफर के बारे में पता होना चाहिए था। उन्होंने आगे बताया कि जब वह भारत में कुछ काम के सिलसिले से आई थीं, तब उनकी मुलाकात हनुमान अंश की टीम से हुई। उस समय फिल्म की शूटिंग खत्म हो चुकी थी, लेकिन वे पोस्ट प्रोडक्शन की शुरुआत करने वाले थे। फंड की कमी की वजह से वे इसे नहीं कर पा रहे थे। अनुप्रिया का मानना है कि यह विचार महाराज जी ने ही उन्हें दिया था। उन्होंने बताया, यूके में तीन साल मैंने जो काम किए उस दौरान मेरे जो इन्वेस्टमेंट और सेविंग थे, मैंने सब इस फिल्म के लिए लगा दिए थे।

मित्रता: फ्रेंडशिप नी लव स्टोरी को लेकर उत्साहित हैं मानसी पारेख

अपनी आने वाली गुजराती फिल्म मित्रताः फ्रेंडशिप नी लव स्टोरी को लेकर अभिनेत्री मानसी पारेख उत्साहित हैं। यह फिल्म दोस्ती के इसी शाश्वत विषय पर आधारित है और इसमें विराज घेलानी, दीप वैद्य और विशाल पारेख भी मुख्य भूमिकाओं में नज़र आएंगे। मानसी का मानना है कि आज के दौर में ऐसी कहानियों की बहुत ज़रूरत है जो हमें उन साधारण और खूबसूरत चीज़ों की याद दिलाएं, जिनका महत्व आज भी है। हाल ही में रिलीज़ हुए फिल्म के ट्रेलर में तीन दोस्तों की ज़िंदगी और उनके बीच के अटूट रिश्तों को खूबसूरती से दिखाया गया है, जो बदलते समय के साथ और भी मज़बूत होते जाते हैं। फ़िल्म के बारे में बात करते हुए, सोल सूत्र के प्रोड्यूसर मानसी पारेख और पार्थिव गोहिल ने बताया कि मित्रता के केंद्र में दोस्ती की एक बहुत ही सरल और सहज भावना है। उन्होंने कहा, आज के निराशावादी माहौल में हमें ऐसी कहानियों की ज़रूरत है जो हमें उन साधारण, खूबसूरत चीज़ों की याद दिलाएं जो आज भी मायने रखती हैं, और दोस्ती उनमें से एक है। हम सभी की ज़िंदगी में ऐसे लोग होते हैं जिन्होंने हमें हर रूप में देखा है और हर हाल में हमारा साथ दिया है। वे निर्देशक ओनिल कार्निक की प्रशंसा करते हुए कहते हैं कि उन्होंने इस भावना को एक ऐसी दुनिया में उतारा है जो मनोरंजक, दिल को छू लेने वाली और भावनाओं से भरपूर है। मानसी और पार्थिव दर्शकों के साथ मित्रता की दुनिया साझा करने के लिए बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। यह फिल्म मानसी पारेख और उनके को-स्टार के लिए उनकी गुजराती ब्लॉकबस्टर झमकूड़ी के बाद एक साथ काम करने का दूसरा अवसर है। अभिनेता विराज घेलानी ने भी फिल्म में अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, दोस्ती शायद उन कुछ रिश्तों में से एक है जहाँ आप बिना किसी दिखावे के खुद जैसे हो सकते हैं, और यही बात मित्रता को इतना अपना-सा बनाती है। विराज के अनुसार, फिल्म में दोस्तों के समूह से अपेक्षित मज़ाक-मस्ती और पागलपन तो है ही, लेकिन कुछ ऐसे शांत पल भी हैं जो दर्शकों को यह याद दिलाते हैं कि ये रिश्ते इतने मायने क्यों रखते हैं। उन्होंने बताया कि सेट पर सभी कलाकारों के बीच की ऊर्जा बहुत स्वाभाविक थी, जो ट्रेलर में भी झलकती है। फिल्म ने अमित त्रिवेदी द्वारा कंपोज़ किए गए मित्रता एंथम के साथ पहले ही लोगों में उत्सुकता पैदा कर दी है। यह एंथम कहानी के केंद्र में दोस्ती की भावना को दर्शाता है और इसकी लाइन तारी मारी दोस्ती सोशल मीडिया पर तुरंत हिट हो गई है। दर्शक अपने दोस्तों के ग्रुप के साथ इसके स्टेप्स को रीक्रिएट करके साझा कर रहे हैं।

सलमान खान ने गणपति विसर्जन में की उलटी दिशा में आरती, बहन के टोकते ही किया सही

मंगलवार को बॉलीवुड एक्टर सलमान खान अपने भाई सोहेल खान के घर पर गणपति विसर्जन के लिए अपने परिवार के साथ शामिल हुए। इस सेलिब्रेशन में एक्टर के साथ उनकी कथित गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर भी मौजूद थीं। गणपति विसर्जन से पहले सलमान आरती करते हुए दिखे। हालांकि, जिस चीज ने सबका ध्यान खींचा, वह थी अर्पिता खान के साथ उनका प्यारा भाई-बहन वाला रिश्ता। जब सलमान वहां पहुंचे, तो अरहान खान ने दरवाजे पर उनका स्वागत किया। बाद में, सलमान की भांजी आयत उन्हें प्यार से गले लगाती हुई दिखीं। जब सुपरस्टार आरती कर रहे थे, तो उनकी बहन अर्पिता ने देखा कि वे गलती से आरती गलत तरीके से (उल्टे दिशा की आरती) कर रहे थे। उन्होंने उन्हें आवाज दी और कहा, 'भाई', लेकिन जोर-जोर से हो रहे मंत्रोच्चार की वजह से सलमान उनकी आवाज सुन नहीं पाए। फिर उन्होंने जल्दी से उन्हें सही तरीका बताया, और इस पर सलमान का रिएक्शन बहुत प्यारा था। आरती करने के बाद, उन्हें अपनी भांजी को आरती करने का सही तरीका बताते हुए देखा गया। यूलिया वंतूर भी इस सेलिब्रेशन में शामिल हुईं और सलमान

खान के बाद आरती करती दिखीं। जहां सलमान प्रिंटेड जींस, मैचिंग जैकेट, काली टी-शर्ट और काली बीनी में कैज़ुअल लुक में दिखे, वहीं यूलिया पीले अनारकली सूट में बहुत खूबसूरत लग रही थीं। एक और वीडियो में, सलमान अपनी सौतेली मां हेलेन और उनके साथ बैठे दूसरे मेहमानों से बातचीत करते दिखे। एक्टर ने पैपराजी के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं और एक छोटे बच्चे पर प्यार लुटाते हुए भी दिखे। फैन्स को अर्पिता और सलमान का रिश्ता बहुत प्यारा लगा। एक फैन ने लिखा- सिर्फ अर्पिता ही उन्हें सही राह दिखा सकती हैं। दूसरे ने कमेंट किया- यह बहुत प्यारा है। एक और फैन ने लिखा- बहनें इसीलिए तो होती हैं, ताकि अपने भाइयों को सिखा सकें। एक और ने लिखा- कितना प्यारा है।

करियर और परिवार को एक साथ संभालना आसान नहीं: प्रीति जिंटा

लंबे समय बाद फिल्मों में वापसी कर चुकीं बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने अपनी ज़िंदगी के इस सफ़र और मां होने के साथ-साथ प्रोफेशनल जिम्मेदारियां निभाने को लेकर कहा कि करियर और परिवार को एक साथ संभालना आसान नहीं है, लेकिन अगर सही सपोर्ट सिस्टम और सुविधाएं उपलब्ध हों तो यह काम काफी हद तक आसान हो जाता है। बातचीत में सोल्जर एक्ट्रेस ने इस बात पर ज़ोर दिया कि महिलाएं स्वभाव से ही मल्टीटास्कर होती हैं। उनके मुताबिक, महिलाओं के लिए घर, परिवार और बच्चों की ज़िम्मेदारियाँ संभालना कोई नई बात नहीं है, यह उनके लिए स्वाभाविक है।

प्रीति ने अपनी मां का उदाहरण देते हुए बताया कि भले ही उनकी मां नौकरी नहीं करती थीं, लेकिन घर और परिवार की देखभाल करना अपने आप में किसी फुल टाइम जॉब से कम नहीं था। उन्होंने अपनी मां की तरह ही हर महिला की क्षमता को सराहा। प्रीति ने कहा, महिलाएं स्वभाव से ही मल्टीटास्कर होती हैं। भले ही मेरी मां नौकरी नहीं करती थीं, लेकिन उनका काम मेरे पिता, तीन बच्चों, घर और न जाने कितनी चीज़ों की देखभाल करना था। अब महिलाएं सुपर वुमन बन गई हैं, क्योंकि बहुत सी महिलाएं काम करती हैं और घर आने के बाद भी बच्चों की देखभाल करती हैं। एक्ट्रेस ने आगे बताया, काम और मदरहुड को एक साथ संभालना चुनौती भरा ज़रूर है। मैं खुद को बहुत लकी मानती हूँ, क्योंकि मेरे साथ ऐसे लोगों का सपोर्ट है, जिनकी मदद से मैं अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल जिम्मेदारियों को मैनेज कर पाती हूँ। अगर मुझे मदद नहीं मिलती, तो मेरे लिए अपने काम के लिए बाहर आना भी मुश्किल होता। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि ज़िंदगी में अलग-अलग चीज़ें हासिल करने के लिए समय-समय पर प्राथमिकताओं को बदलना पड़ता है। अगर आप ज़िंदगी में अलग-अलग चीज़ें चाहते हैं, तो आपको अलग-अलग समय पर चीज़ों को प्राथमिकता देनी पड़ती है। ज़ाहिर तौर पर यह आसान नहीं है, लेकिन अगर आपके पास साधन हैं तो यह इतना मुश्किल भी नहीं है। प्रीति ने उन महिलाओं के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया जो बिना किसी मदद के नौकरी के साथ घर और बच्चों की ज़िम्मेदारी संभालती हैं। उन्होंने कहा, हर महिला की परिस्थितियाँ अलग होती हैं और जिन महिलाओं के पास मदद के ज़्यादा साधन नहीं हैं, उनके लिए यह सफ़र और भी चुनौतीपूर्ण होता है। बता दें कि प्रीति जिंटा ने अपने अभिनय करियर के साथ-साथ अपनी जिंदगी के विभिन्न किरदारों को भी बखूबी निभाया है। शादी और मां बनने के बाद उन्होंने फिल्मों से कुछ समय के लिए दूरी बनाई, लेकिन इस दौरान उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ के साथ-साथ अपने बिज़नेस पर भी पूरा ध्यान दिया।

सुनिधि चौहान घाटी की बेमिसाल खूबसूरती देखकर हुई मंत्रमुग्ध

हाल ही में मशहूर गायिका सुनिधि चौहान के लिए एक ऐसा पल आया, जिसे वह शायद लंबे समय तक नहीं भूल पाएंगी। पहली बार कश्मीर पहुंचीं सुनिधि घाटी की बेमिसाल खूबसूरती देखकर मंत्रमुग्ध हो गईं। सुनिधि ने बताया कि कश्मीर जाना उनका बचपन का सपना था, जो आखिरकार इतने सालों बाद पूरा हुआ। यहाँ पहुंचकर उन्होंने घाटी की प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ वहाँ के लोगों के प्यार, सुकून भरे माहौल और स्वादिष्ट खाने की भी जमकर तारीफ़ की। अपने अनुभव साझा करते हुए सुनिधि ने कहा, मैं आपको बता नहीं सकती कि मैं कितनी खुश हूँ। कश्मीर आना मेरा बचपन का सपना था। पिछले कुछ सालों में मैंने बहुत सी जगहों की यात्रा की, लेकिन मुझे कभी कश्मीर आने का मौका नहीं मिला। आखिरकार इस बार मैं यहाँ हूँ और मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं जन्नत में हूँ। उन्होंने कश्मीर की प्राकृतिक छटा की प्रशंसा करते हुए कहा, यहाँ पहुंचकर मेरी आँखें खुली की खुली रह गईं। मुझे यकीन ही नहीं हो रहा था कि इतनी खूबसूरत जगह सच में मौजूद है। यहाँ के लोगों का प्यार और अपनापन मुझे काफी पसंद आया। जिन लोगों से मैं यहाँ मिली, उनके व्यवहार में बेशुमार प्यार था। सुनिधि ने यहाँ के खाने और शांत माहौल की भी जमकर तारीफ़ की। उन्होंने कहा, कश्मीर में मुझे जो सुकून महसूस हुआ, वह मेरे लिए बिल्कुल अलग अनुभव था। मैं हैरान थी कि क्या सच में ऐसी कोई जगह है? यहाँ के लोग, यहाँ का खाना, यहाँ का सुकून मेरा यहाँ से जाने का बिल्कुल मन नहीं कर रहा। अपने इस यादगार दौरे के बाद, सुनिधि चौहान ने संगीत के माध्यम से कश्मीर के लोगों से और अधिक जुड़ने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा, मैं सच में चाहती हूँ कि मुझे यहाँ अपना कॉन्सर्ट करने का मौका मिले, क्योंकि मुझे कश्मीर से प्यार हो गया है। पहले मैं कश्मीर को सिर्फ़ पर्दे पर देखकर पसंद करती थी, लेकिन अब यहाँ आने के बाद मुझे लगता है कि मैं यहाँ के लोगों के लिए भी अपनी तरफ़ से कुछ करना चाहती हूँ। बता दें कि सुनिधि चौहान भारतीय फिल्म और म्यूजिक इंडस्ट्री की उन प्रमुख हस्तियों में शामिल थीं, जिन्होंने इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ जम्मू एंड कश्मीर (आईएफएफजेके) के पहले संस्करण में हिस्सा लिया था।

जीशान से रिश्ता तोड़कर पछताईं रेहाना

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस रेहाना पंडित एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। जीशान खान के साथ रिश्ता खत्म होने के बाद एक्ट्रेस ने अपने रिलेशनशिप को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं, जिसमें धर्म बदलने के दबाव का दावा भी शामिल है। एक बातचीत के दौरान रेहाना ने अपने रिश्ते के मुश्किल दौर को याद करते हुए बताया कि जीशान के परिवार की इच्छा थी कि वह अपना धर्म बदल लें, और परिवार की बातों में आकर जीशान भी उनसे धर्म परिवर्तन करने के लिए कहता था। रेहाना पंडित और जीशान खान की पहली मुलाकात टीवी के चर्चित शो कुमकुम भाग्य के सेट पर हुई थी। साथ काम करने के दौरान दोनों की दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। उम्र में 10 साल का अंतर होने और अलग-अलग धर्मों से ताल्लुक रखने के बावजूद दोनों ने अपने रिश्ते को आगे बढ़ाने का फैसला किया और एक-दूसरे को डेट करने लगे। रेहाना ने बताया कि जीशान के साथ रिश्ता निभाने के लिए उन्होंने कई लोगों की नाराजगी तक झेली और काफी कुछ सहने के बाद भी उन्होंने जीशान का साथ नहीं छोड़ा।

करिश्मा कपूर के यादगार फैशन मोमेंट को जीवंत किया करीना ने

अपनी आगामी फिल्म दायरा के प्रचार के दौरान अभिनेत्री करीना कपूर खान ने उनकी बडी बहन करिश्मा कपूर के एक यादगार फैशन मोमेंट को फिर से जीवंत किया है। करिश्मा कपूर की प्रतिष्ठित फिल्म जुबैदा के लुक को रीक्रिएट करके करीना ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। करीना ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अपनी और करिश्मा की जुबैदा वाली तस्वीर का एक कोलाज साझा किया। उनकी तस्वीर के साथ फिल्म जुबैदा से करिश्मा कपूर की एक तस्वीर भी थी, जिसमें उन्हें फूलों का गुच्छा पकड़े हुए वैसी ही मल्टीकलर साड़ी में देखा जा सकता है। करीना ने इस तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, मुझे हमेशा से पता था कि हमारी पसंद अच्छी है सिस्टर्स फॉरएवर। करिश्मा ने फिल्म जुबैदा के गाने धीमे धीमे गाऊं में यह

आइकॉनिक साड़ी पहनी थी। इस गाने को ए.आर. रहमान ने कंपोज किया था और कविता कृष्णमूर्ति ने गाया था। श्याम बेनेगल द्वारा निर्देशित इस फिल्म में करिश्मा इसी लुक में नज़र आई थीं, जो आज भी दर्शकों को याद है। राजस्थानी पारंपरिक समुद्र लेहरिया प्रिंट वाली यह मल्टीकलर साड़ी फिल्म के सबसे यादगार और सदाबहार फैशन लुक्स में से एक मानी जाती है। करिश्मा ने इसके साथ एक साधारण ब्लाउज़ और मोतियों के गहने पहने थे, जिसने लुक को और भी क्लासी बना दिया था। अब बात करें करीना की आने वाली फिल्म दायरा की, तो इसका निर्देशन मेघना गुलजार ने किया है। केसवानी, सीमा अग्रवाल और मेघना गुलजार शामिल हैं। जंगली पिक्चर्स और पेन स्टूडियोज मिलकर इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं।

जब टीवी स्टार विवेक दहिया BMW कार में डिलीवर करते थे पिज्जा, UK में किए टॉयलेट पेपर फैक्ट्री से लेकर बारटेंडर तक के काम

भारतीय टेलीविजन उद्योग के जाने-माने अभिनेता विवेक दहिया, जिन्होंने 'ये है मोहब्बतें' जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों से घर-घर में अपनी खास पहचान बनाई, आज एक सफल और ग्लैमरस जिंदगी जी रहे हैं। हालांकि, इस मुकाम तक पहुँचने का उनका रास्ता बेहद संघर्षपूर्ण रहा है। अभिनय की दुनिया में कदम रखने से पहले विवेक को व्यक्तिगत और वित्तीय स्तर पर कड़ा इम्तिहान देना पड़ा था। हाल ही में दिए गए एक साक्षात्कार में उन्होंने ब्रिटेन (UK) में बिताए अपने छात्र जीवन के दिनों और अपनी शुरुआती आत्मनिर्भरता की कहानी साझा की। विवेक दहिया जब उच्च शिक्षा के लिए ब्रिटेन गए थे, तब उनकी उम्र महज 18 वर्ष थी। उन्होंने मन में ठान लिया था कि वे अपने खर्चों के लिए पिता पर निर्भर नहीं रहेंगे। जेब

खर्च और पढ़ाई का खर्च निकालने के लिए वे शहर के मुख्य बाजार में घूम-घूमकर दुकानों और स्टोर्स में अपना बायोडाटा (CV) बांटते थे। विवेक बताते हैं कि शुरुआती दिनों में कोई गंभीर या बड़ी नौकरी नहीं मिलती थी। बिना किसी पूर्व अनुभव के काम पाना कठिन था, इसलिए उस दौर में छात्र अपने सीवी में कुछ फर्जी अनुभव (जैसे भारत में किसी एनजीओ में काम करना) जोड़ लेते थे ताकि उन्हें कोई छोटा-मोटा काम मिल सके। बार में काम का पहला ही दिन रहा कड़वा अनुभव काफी मशक्कत के बाद विवेक को एक मशहूर बार में काम मिला। उन्हें लगा था कि बारटेंडर बनकर कॉकटेल बनाना काफी ग्लैमरस होगा, लेकिन मैनेजर ने उन्हें टेबल सफाई और व्यवस्था संभालने का काम सौंपा। काम के पहले ही दिन एक अप्रत्याशित घटना घटी। विवेक जब एक टेबल साफ कर रहे थे, तो सफाई वाले स्प्रे की कुछ बूंदें वहां बैठी एक युवती की पोशाक पर गिर गईं। इस बात से नाराज होकर युवती के साथी ने विवेक का कॉलर पकड़ लिया और उनके साथ दुर्व्यवहार किया। हालांकि, सुरक्षाकर्मियों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया, लेकिन मैनेजर से डांट सुनने के बाद और रात भर फर्श से कांच के टुकड़े उठाने की थकाऊ मेहनत देखकर उन्होंने और उनके दोस्त ने उसी दिन वह काम छोड़ दिया। विवेक का संघर्ष यहीं खत्म नहीं हुआ। अपने गुजारे के लिए उन्होंने कई अलग-अलग जगह काम किया। उन्होंने टॉयलेट पेपर बनाने वाली फैक्ट्री, एलजी टीवी फैक्ट्री और एक कॉल सेंटर में भी काम किया। इन सब में सबसे दिलचस्प अनुभव पिज्जा डिलीवरी बॉय के रूप में उनका काम रहा। विवेक को गाड़ियों का बेहद शौक था। ब्रिटेन में छोटे-मोटे काम करके भी इतनी बचत हो जाती थी कि कोई पुरानी लग्जरी कार खरीदी जा सके। जब वे उसी BMW कार में डोमिनोज का पिज्जा डिलीवर करने ग्राहकों के घर पहुँचते थे, तो लोग डिलीवरी बॉय को महंगी कार में देखकर दंग रह जाते थे। विवेक दहिया स्वीकार करते हैं कि उन्होंने अपने सफर की शुरुआत काफी बेफिक्र, लापरवाह और मौज-मस्ती भरे अंदाज में की थी। वे बस अपनी जिंदगी खुलकर जीना चाहते थे। लेकिन ब्रिटेन में किए गए इन छोटे-मोटे कामों, शारीरिक मेहनत और कड़े संघर्षों ने उन्हें जीवन को गंभीरता से देखना सिखाया।

BRIFF NEWS

ED arrests ex-OSD of Baghel for role in Chhattisgarh job scam

New Delhi, Agency: Enforcement Directorate (ED) on Monday said it has arrested former Chhattisgarh CM Bhupesh Baghel's former OSD Chetan Borghariya, who is presently additional collector of Balrampur-Ramanujganj, in the case of illegal appointments of DSPs and collectors through exam paper leaks.

ED, which had earlier arrested former state public service commission (PSC) chief Taman Singh Sonwani, claimed it has traced the alleged proceeds of crime linked to bank accounts of Borghariya and other officials.

Borghariya, who was arrested on Sept 11, has been remanded in six-day ED custody by a special PMLA court in Raipur. The agency is probing alleged money laundering relating to irregularities and manipulation in the CGPSC State Service Examinations, 2020 and 2021.

"Investigation revealed that other accused, Utkarsh Chandrakar, Anil Chandrakar and Dr Vikash Chandrakar, allegedly collected illegal gratification exceeding Rs 3 crore from various candidates of 2021 CGPSC examination, on assurance of providing them question papers in advance and securing their selection by using their purported access and influence in the then CM's office," ED said. The probe further revealed that the name and official position of Chetan Borghariya, who was then posted as OSD in CM's office, was allegedly used in connection with such assurances.

SC faults Abu Salem's maths, junks release plea

New Delhi, Agency: Supreme Court has ruled that if a person is convicted in two cases and sentenced separately, the period of imprisonment undergone as an undertrial can be offset against only one of the sentences and not both even when the trial court had ordered the two sentences to run concurrently.

The ruling was given by a bench of Justices Vikram Nath and Sandeep Mehta while detecting that gangster Abu Salem, who was extradited from Portugal in Nov 2005 on a solemn assurance by Indian govt that he would not be awarded death penalty or a jail term of more than 25 years, had computed his undertrial incarceration period twice to seek release from jail on the ground that he has already spent 25 years in jail, even though he was awarded life sentences in two terror cases in 2015 and 2017. Justice Nath said, "The fact that sentences imposed in the two cases were directed to run concurrently is of significance. Sentences granted concurrently operate simultaneously, hence the same period of incarceration cannot be notionally counted twice for the purpose of determining completion of the sentence."

ECL Walkathon Promotes Cleanliness and Employee Participation

DB Reporter

Asansol : Eastern Coalfields Limited (ECL) organised a Walkathon at Pandaveswar Area on Tuesday to raise awareness about Special Campaign 6.0 and encourage employees to actively participate in cleanliness-related activities.

The initiative focused on promoting cleanliness, hygiene, responsible waste management and collective responsibility among employees. The Walkathon was led by Amitava Bhattacharyya, Area General Manager, Pandaveswar Area, and saw enthusiastic participation from heads of departments and employees.

Addressing the participants, Bhattacharyya highlighted the importance of collective efforts in maintaining clean surroundings and making cleanliness a regular practice. He also encouraged employees to remain actively involved in activities being organised under the national campaign.

The event reinforced the message of "Swachhata Mein Sahbhag, Swachh Bharat, Viksit Bharat",

emphasising that sustained public and employee participation is essential to achieving the broader objectives of the cleanliness campaign.

The Walkathon also served as a platform to sensitise employees about proper waste management and the need to maintain hygiene across workplaces and surrounding areas. Participants were encouraged to contribute individually and collectively towards creating cleaner and more efficient work environments.

ECL is conducting awareness, mobilisation and cleanliness drives under Special Campaign 6.0 across its operational areas in West Bengal and Jharkhand. Through these initiatives, the company aims to strengthen a culture of cleanliness, efficiency and responsible participation among its workforce while contributing to the national vision of Swachh Bharat.

Voluminous evidence in graft cases leading to long pendency: SC

New Delhi, Agency: Flagging the issue of prosecuting agencies filing voluminous evidence and naming large number of witnesses in corruption cases, Supreme Court disapproved of the practice, saying it leads to protracted hearing and long pendency.

While acquitting a person in a 33-year-old corruption case on the ground that CBI failed to prove that he received pecuniary advantage, a bench of Justices J B Pardiwala and K Vinod Chandran expressed concern over the agency naming a large number of unnecessary witnesses to prove the charge.

The court said voluminous documents filed by CBI are intimidating even to the court. "We cannot but notice that in corruption cases voluminous evidence is led, which is often intimidating to the court, especially since many aspects attempted to be led in evidence are way off the mark, in providing a substantiation of the allegation, or to bring home the guilt of the accused public servant," the bench said. The case pertains to a complaint filed by Assam veterinary department alleging that a loss of Rs 5.97 lakh was caused to the exchequer as payment was made to a fictitious firm for medicines which were never supplied. Seven persons were chargesheeted, of whom four were convicted and sentenced by a trial court and three acquitted.

Three convicts filed an appeal before Gauhati high court. One of them, the accountant who passed the bill, was acquitted, but the petitioner, who was store in charge, and the other accused, storekeeper, were convicted under Section 13(1)(d) of Prevention of Corruption Act. The petitioner then moved SC. Allowing his appeal, the bench set aside his conviction and noted that the prosecution in this case had examined 62 witnesses, which was of no avail as the HC referred to only nine of such witnesses.

Adani Foundation Extends Relief to Flood-Hit Families in Pirpainti

DB Reporter

Pirpainti: With several villages in Bihar's Pirpainti block affected by flooding in the Ganga, the Adani Foundation has launched its 'Mission Rahat' flood relief programme to support affected families. As part of the initiative, teams of the foundation are visiting flood-hit villages and distributing essential relief materials door-to-door. So far, assistance has reached more than 2,000 flood-affected families, who have been provided with tarpaulins, torches and fodder for livestock. The foundation's teams are also conducting regular assessments of the affected areas to identify families requiring immediate assistance and ensure timely delivery of relief materials. The initiative aims to provide immediate support to people facing difficulties due to the flood and help them cope with the challenging situation. The foundation said its continued field-level presence is intended to ensure that assistance reaches those in need without delay.

'Serious lapse': Air India CEO summoned after 3 foreigners 'skip' immigration check

New Delhi, Agency: Centre has summoned Air India CEO after three foreign nationals departed India without undergoing mandatory departure immigration clearance, news agency Media reported, citing sources.

Sources told Media that the ministry of civil aviation has sought an explanation from the airline after the incident, terming it a "serious security and immigration-related lapse."

This comes after the civil aviation ministry issued a show-cause notice to the airline over alleged procedural lapses that allowed three Italian passengers to board a connecting flight from Delhi without completing immigration formalities earlier this month. Three Italian nationals fly into Delhi from Amritsar on September 4 and then, within an hour, depart for Munich on a codeshare Lufthansa flight from Delhi airport without the mandatory immigration check.

According to the ministry, the incident occurred during Air India's hub-and-spoke operation and involved a violation of the prescribed Standard Operating Procedure. Amritsar airport is among the airports where Air India operates flights under its 'Hub-and-Spoke' model.

3 Italian passengers fly out of Delhi without immigration clearance: What exactly happened

New Delhi, Agency: The civil aviation ministry has issued a show-cause notice to Air India over alleged procedural lapses that allowed three Italian passengers to board a connecting flight from Delhi without completing immigration formalities earlier this month. The notice has been issued to Air India CEO Campbell Wilson.

The home ministry has also convened a meeting of stakeholders on Tuesday to discuss the incident, sources told news agency Media.

The three passengers flew from Amritsar to Delhi on September 4 before boarding a Lufthansa flight to Munich from Delhi airport. However, they did not complete the required immigration formalities at the airport, sources added. Titled "violation of SOP for hub and spoke operations resulting in three foreign nationals departing India without mandatory immigration clearance," the show-cause notice issued to Air India last Saturday said the three passengers arrived in Delhi from Amritsar on AI 1115 at 12.50 am on September 4 and subsequently departed for Munich on a codeshare Lufthansa flight at 1.45 am, within an hour of their arrival.

Home Secretary Govind Mohan will chair a meeting on Tuesday to discuss the incident. The secretary and additional secretary of the civil aviation ministry, Intelligence Bureau director, additional secretary (UT and Foreigners) of the home ministry, Bureau of Immigration commissioner, Air India CEO and Delhi airport CEO are expected to attend the meeting, they added.

Given 10 years for rape, Tarun Tejpal surrenders as directed by SC

Panji, Agency: Former Tehelka founder-editor Tarun Tejpal, sentenced to 10 years' imprisonment by the Bombay HC last month for raping a junior colleague in 2013, surrendered Monday before a court in Mapusa, Goa.

Tejpal had appealed against the order in the SC, which directed him to surrender within two weeks.

The high court on Aug 6 overturned Tejpal's 2021 acquittal by a lower court and pronounced him guilty. His advocate sought a lenient sentence on the grounds that he is a senior citizen today, aged 62, and that the case is 13 years old. Tejpal addressed a division bench of Justices Neela Gokhale and Amit Jamsandekar and claimed he was a "political victim".

"The appreciation of evidence by the trial court is not only unreasonable but perverse. The conclusions arrived at are untenable and, in the established facts, the view expressed by it is not a possible view," the bench held. "Rather than evaluating the sterling case, the trial court resorted to hyper-technicalities" and "unjustifiably granted the benefit of doubt to the respondent where none reasonably existed", it stated.

HC observed that the trial court "permitted an invasive, humiliating cross-examination into the victim's past sexual history, moral views and personal WhatsApp messages", despite statutory provisions prohibiting such questioning. The bench held that the lower court wrongly drew adverse inferences from the absence of visible injuries, the survivor's inability to access a 7-year-old email account, her failure to physically resist in a particular manner and "her smiling demeanour during subsequent work events". Referring to apology mails sent by Tejpal to the survivor, HC noted that the trial court had erred in observing that there was no admission of sexual assault.

Interim EC ruling on 'real TMC' likely on Sept 17

New Delhi, Agency: An interesting situation may be unfolding in Nandigram and Rejinagar, with both factions of TMC, one headed by Mamata Banerjee and the other by Ritabrata Banerjee, naming their own candidates for the bypolls while claiming to be the "real" party entitled to use its reserved symbol. EC, which heard the two factions Saturday, asked them to file written replies by Sept 16. Sept 16 is the last date for filing nominations.

Sources said EC may examine the replies and come up with an interim decision on Sept 17.

More than 19,000 housing pockets have rooftop solar systems, benefits 9 lakh households

New Delhi, Agency: More than 19,000 residential areas have set up community rooftop solar systems under PM Surya Ghar Yojana to power common utilities, benefiting over 9 lakh households. Officials said the clean energy generated is used for operating lifts, common-area lighting, water pumps, security systems and sewage treatment plants. Govt has released Rs 422 crore as central financial assistance to resident welfare associations (RWAs) to help them install the systems.

"With common-area electricity bills forming a significant component of monthly maintenance expenses in many large housing complexes, govt support helps them reduce recurring costs while transitioning to cleaner energy," an official said. The cumulative rooftop solar capacity of over 278 MW has been installed for these communities.

Gujarat leads in total installations, with more than 9,000 housing societies setting up solar capacity, followed by Maharashtra, where over 7,500 residential areas have opted for the facility. Tamil Nadu, Telangana, Andhra Pradesh and Karnataka are also steadily expanding the adoption of community solar, said another official.

Ahmedabad, Pune, Vadodara, Nashik and Surat are among the top five cities with the highest number of rooftop solar installations for housing societies. To make community-scale rooftop solar financially viable, govt provides central financial assistance of Rs 18,000 per kW for eligible RWA and group housing society projects.